NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 09 लखनऊ, रविवार 30 अगस्त 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

रक्षाबंधन पर मुम्बई में सियासी रिश्ते मजबूत, अमित शाह को सुनेत्रा पवार ने बांधी राखी

एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुंबई दौरे पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने उन्हें राखी बांधी, जिसने महाराष्ट्र की राजनीतिक गलियारों में संबंधों की प्रगाढ़ता को दर्शाया। इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे ने भी शाह का स्वागत किया, जिससे राष्ट्रीय हित और राज्य के विकास पर मार्गदर्शन की अपेक्षाएँ बढ़ीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे, जहां महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने रक्षाबंधन के मौके पर उनकी कलाई पर राखी बांधी। एयरपोर्ट पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने शाह का स्वागत किया। सुनेत्रा पवार ने X पर लिखा कि आज मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देश के केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, माननीय श्री अमितभाई शाह का स्वागत किया गया। रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार के मौके पर, इस बार अमितभाई को राखी बांधी गई और उन्हें रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। राष्ट्रीय हित और महाराष्ट्र के विकास के लिए उनका मार्गदर्शन और सहयोग हमेशा प्रेरशुक्रवार को रक्षाबंधन के मौके पर, अमित शाह ने अहमदाबाद में टाइप–1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों के साथ त्योहार मनाया और उनकी मदद के लिए मोदी सरकार की कोशिशों के बारे में बताया। X पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि टाइप–1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को जीवन भर इंसुलिन इंजेक्शन की जरूरत होती है, जिससे उनके परिवारों पर काफी आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में, हमारी सरकार ऐसे सभी बच्चों को जीवन भर मुफ्त इंसुलिन दे रही है। यह दूरदर्शी पहल, जिसे लागू करने के लिए कई विकसित देश भी अभी कोशिश कर रहे हैं, सेवा, सहानुभूति और सुरक्षाश के सिद्धांतों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का सबूत है। अमित शाह ने शुक्रवार को 'विश्व संस्कृत दिवस' के मौके पर बधाई दी और इस को भारत की ज्ञान परंपरा, संस्कृति और चेतना का मूल आधार बताया। गृह मंत्री ने रक्षाबंधन पर भी नागरिकों को बधाई दी। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि संस्कृत भारत की ज्ञान परंपरा, संस्कृति और चेतना का आधार है और यह जितनी प्राचीन है, उतनी ही वैज्ञानिक भी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत में लिखे गए वेद, उपनिषद और शास्त्र सदियों से मानवता को ज्ञान के रास्ते पर ले जा रहे हैं। शाह ने उन सभी विद्वानों और शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया, जिन्होंने संस्कृत को संरक्षित करने और इसे नयी पीढ़ियों तक पहुंचाने में अविस्मरणीय योगदान दिया है।

देवरिया में 305 करोड़ की 80 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, मुख्यमंत्री योगी बोले- विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा देवरिया

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देवरिया आज विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। जिले में कनेक्टिविटी बेहतर हो रही है और बाईपास, फ्लाईओवर तथा सड़कों के चौड़ीकरण के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सिंगल लेन सड़कें डबल लेन, डबल लेन सड़कें फोर लेन और फोर लेन सड़कें सिक्स लेन में परिवर्तित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के क्षेत्र में भी लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को देवरिया में सलेमपुर और भाटपार रानी विधानसभा क्षेत्रों की 305 करोड़ रुपये लागत की 80 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र, चाभी और नियुक्ति पत्र वितरित किए। इससे पूर्व उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा स्कूली बच्चों को चॉकलेट प्रदान किए। कार्यक्रम में देवरिया की विकास यात्रा पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।मुख्यमंत्री ने बाबा दुग्धेश्वर नाथ को नमन करते हुए कहा कि देवरिया अपनी आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रवादी चेतना के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार आने के बाद जिस देवरिया की लंबे समय तक उपेक्षा हुई, वहां विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा के नाम पर मेडिकल कॉलेज स्थापित होना इसका उदाहरण है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी सरकार और विकास के लिए अच्छे जनप्रतिनिधियों का चयन आवश्यक है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में सुरक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब थी। गरीबों को आवास, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं आसानी से नहीं मिलती थीं। बिजली और सड़कों की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण मजबूत हुआ है और इसी का परिणाम है कि उद्योग स्थापित हो रहे हैं तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी इंसेफेलाइटिस का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इस बीमारी के कारण लंबे समय तक भय का माहौल रहा। उनके अनुसार पिछले चार दशकों में इस बीमारी से 50 हजार से अधिक मासूमों की मौत हुई, लेकिन प्रदेश सरकार ने प्रभावी प्रयासों के माध्यम से इंसेफेलाइटिस और मस्तिष्क ज्वर पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि अब बरसात के मौसम में अभिभावकों को अपने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर पहले जैसा भय नहीं रहता।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था में सुधार के साथ माफिया के खिलाफ

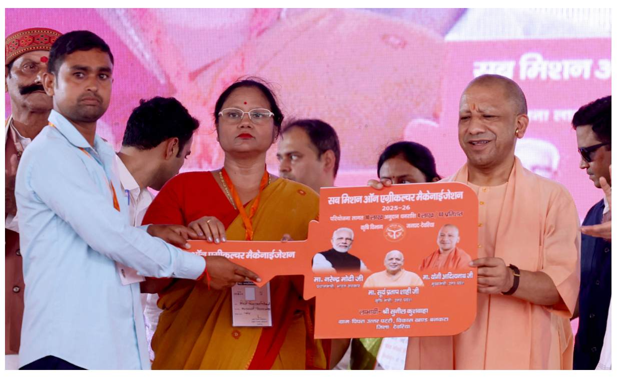

कठोर कार्रवाई की गई है। अब प्रदेश की पहचान विकास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था वाले राज्य के रूप में हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले जहां 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' जैसी स्थिति थी, वहीं अब 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' की दिशा में काम हो रहा है। देवरिया और कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज इसका उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का अर्थ है कि गरीब को बिना मांग किए राशन, बिजली, आवास और शौचालय जैसी सुविधाएं मिलें तथा युवाओं को रोजगार और सरकारी नौकरी के अवसर उपलब्ध हों। उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 16 करोड़ लोगों को राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। विगत नौ वर्षों में करीब 9.50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। लगभग तीन करोड़ युवा एमएसएमई और एक जनपद–एक उत्पाद के माध्यम से स्वरोजगार से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने दो करोड़ युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। अब तक 50 लाख से अधिक युवाओं को टैबलेट दिए जा चुके हैं और 25 लाख टैबलेट का नया आदेश दिया गया है। स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को बिना भेदभाव टैबलेट उपलब्ध कराने की योजना है। इसमें सरकारी, मान्यता प्राप्त निजी, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के साथ नर्सिंग, फार्मेसी और इंजीनियरिंग के विद्यार्थी भी शामिल होंगे।उन्होंने कहा कि जल्द ही एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इनमें 32 हजार पुलिसकर्मी और चार हजार उपनिरीक्षक शामिल हैं। इसके अलावा 45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। शिक्षकों की भर्ती के संबंध में भी जल्द प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात उन्होंने कही। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा में 13 लाख युवाओं ने सफलता प्राप्त की है और भर्ती के लिए अधियाचन भेजा जा चुका है।

नितिन नवीन का सख्त रुख साजन कुमार को श्रद्धांजलि देने वाले 3 बीजेपी एमपी को लगाई फटकार

संवाददाता।

लखनऊ। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने 1984 के सिख–विरोधी दंगों के दोषी सज्जन कुमार के परिवार से शोक जताने गए तीन दिल्ली सांसदों को फटकार लगाई। यह कार्रवाई पार्टी के रुख और सिख दंगा पीड़ितों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिस पर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को दिल्ली के तीन सांसदों को फटकार लगाई। इन सांसदों ने 1984 के सिख–विरोधी दंगों के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद उनके परिवार से मिलकर शोक व्यक्त किया था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नितिन नवीन ने कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया को तलब किया और उनके इस दौरे पर अपनी नाराजगी जताई।गौरतलब है कि

1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुई हिंसा में सिखों की हत्या के मामले में दोहरी उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार का 20 अगस्त को निधन हो गया। शनिवार को नई दिल्ली में उनकी शोक सभा आयोजित की गई। बीजेपी के इन तीन सांसदों के दौरे की आलोचना बीजेपी नेता एचएस फूलका ने की, जो इस साल अप्रैल में ही पार्टी में शामिल हुए थे। 1984 के सिख–विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए प्रमुख वकील रहे फूलका ने कुमार के घर जाकर शोक व्यक्त करने वाले इन तीन सांसदों पर आपत्ति जताई। उन्होंने तीन सांसदों द्वारा सामूहिक हत्यारे सज्जन कुमार के घर जाकर उनकी मौत पर शोक व्यक्त करने की कड़ी निंदा की। यह ध्यान देने वाली बात है कि ये तीनों सांसद उन निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो पहले की 'आउटर दिल्ली' संसदीय सीट से अलग करके बनाए गए थेय कुमार ने कांग्रेस नेता के तौर पर लोकसभा में इसी सीट का प्रतिनिधित्व किया था। बिधूड़ी दक्षिण दिल्ली से सांसद हैं, सहरावत पश्चिम दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हैं, और चंदोलिया उत्तर–पश्चिम दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीजेपी नेतृत्व की यह फटकार राष्ट्रीय राजधानी में कुमार की प्रार्थना सभा से ठीक पहले आई है, क्योंकि 1984 के सिख–विरोधी दंगों और हिंसा में शामिल कांग्रेस नेताओं के मामलों पर पार्टी के रुख की ओर फिर से ध्यान गया है। 1984 के सिख–विरोधी दंगों के मामले में दो बार उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार का 80 साल की उम्र में निधन हो गया। लोकसभा वेबसाइट पर मौजूद उनकी प्रोफाइल के अनुसार, उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है।

UGC - NET परीक्षा उत्तीर्ण कर ईशा कुल्हान ने बढ़ाया रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय का गौरव

डॉ. अतुल कृष्ण, प्रो. डॉ. देश दीपक और डॉ. मनमोहन गुप्ता ने दी बधाई, कहा - ईशा की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए बनेगी प्रेरणा

देहरादून, 29 अगस्त। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून के शिक्षा संकाय की एम.ए. (शिक्षा) की छात्रा सुश्री ईशा कुल्हान ने UGC - NET परीक्षा उत्तीर्ण कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों और सहपाठियों ने ईशा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुभारती शिक्षा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने ईशा कुल्हान को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियां किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी होती हैं। उन्होंने कहा कि सुभारती परिवार विद्यार्थियों को शिक्षा, शोध और ज्ञान के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। ईशा की सफलता निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. देश दीपक ने कहा कि UGC - NET जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करना विद्यार्थी की मेहनत, विषय के प्रति गंभीरता और शैक्षणिक प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने ईशा को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आगे भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करेंगी।

डीन एकेडेमिक्स एवं शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन गुप्ता ने कहा कि ईशा कुल्हान की सफलता उनके निरंतर परिश्रम और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने शिक्षा संकाय के शिक्षकों एवं ईशा के परिवार को भी बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे संकाय के लिए गौरव का विषय है।

विश्वविद्यालय परिवार ने ईशा कुल्हान को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान निरंतर प्रयासरत है।

खजाने की लूट के लिए जनता से माफी मांगें अखिलेश यादव देवरिया में जमकर गरजे सीएम

संवाददाता

लखनऊं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल को संस्थागत भ्रष्टाचार और अराजकता का केंद्र बताते हुए अखिलेश यादव से सार्वजनिक माफी की मांग की है। राज्य की वर्तमान विकास यात्रा और सुधरी हुई कानून–व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश अब अपनी पुरानी बीमारू छवि को त्याग कर सुशासन के नए मानक स्थापित कर रहा है। योगी आदित्यनाथ, अखिलेश यादव, उत्तर प्रदेश राजनीति, विकास परियोजनाएं, भ्रष्टाचार आरोप। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में थी, तब राज्य के खजाने की कथित लूट के लिए उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य अब खराब शासन और असुरक्षा वाली अपनी पुरानी छवि से बाहर निकल चुका है। देवरिया में एक कार्यक्रम के दौरान, जहाँ उन्होंने 305 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 80 विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, आदित्यनाथ ने कहा कि जनता द्वारा चुनी गई सरकारों की वजह से उत्तर प्रदेश में

विकास, समृद्धि और रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कानून–व्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं और पूर्वी उत्तर प्रदेश में एन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार) से निपटने के उपायों पर भी बात की।विपक्षी पार्टी पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि SP का मतलब है लूट और वसूली, SP का मतलब है डकैतों का गिरोह। लखनऊ में जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि SP प्रमुख ने अपनी अय्याशी के लिए राज्य के खजाने की जो लूट की है, उसके लिए उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राज्य में माफियाओं की समानांतर सरकार चलती थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश वैसा ही बन गया है जैसा इसके नाम से पता चलता है और अब कोई इसे 'बीमारू' राज्य नहीं कहता। 'बीमारू' शब्द का इस्तेमाल 1980 के दशक के मध्य में डेमोग्राफर आशीष बोस ने देश के कुछ सबसे गरीब राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश कृ के लिए किया था।

आदित्यनाथ ने कहा कि अब यूपी की छवि अच्छी है। माफियाओं का सफाया हो चुका है। जो लोग बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करते हैं, उनके लिए सिर्फ दो ही जगहें हैं कृ या तो वे जेल में होंगे या फिर नर्क में। अच्छे प्रतिनिधियों को चुनने की अहमियत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब अच्छे जन–प्रतिनिधि चुने जाते हैं, तो अच्छी सरकारें बनती हैं और नतीजे भी अच्छे होते हैं। यह विकास, खुशहाली और रोजगार उन्हीं जन–प्रतिनिधियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है जिन्हें आपने चुना था। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में न तो विकास था, न सुरक्षा और न ही सम्मान। उन्होंने कहा कि न तो रोजगार था और न ही गरीबों के लिए घर, शौचालय, स्च्ळ कनेक्शन, बिजली और सड़कें थीं। स्कूल नकल के अड्डे बन गए थे। एन्सेफलाइटिस के बारे में आदित्यनाथ ने कहा कि 15 जुलाई से 15 नवंबर का समय देवरिया, महाराजगंज, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, संत कबीर नगर और बस्ती के लोगों के लिए डर का समय होता था।

जन्माष्टमी पर बसों के सुचारु संचालन को लेकर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दिए सख्त निर्देश

संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मद्देनजर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों के व्यवस्थित एवं सुदृढ़ संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए हैं। उन्होंने चालक–परिचालकों और बस अड्डों पर तैनात कर्मचारियों को यात्रियों के साथ मृदुल एवं शिष्ट व्यवहार करने के निर्देश दिए।परिवहन मंत्री ने कहा कि निगम की सभी बसों का निर्धारित 31 एवं 13 बिंदुओं के मानक के अनुसार भौतिक एवं यांत्रिक परीक्षण तत्काल कराया जाए। परीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों का तत्काल निराकरण और आवश्यक मरम्मत कराई जाए तथा फिटनेस की स्थिति में ही बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बसों को हमेशा ऑन रोड स्थिति में रखते हुए शत–प्रतिशत संचालन के लिए तैयार रखने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बस यात्रियों को परिवहन सुविधा के साथ बस अड्डों पर बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल और साफ–सुथरे सुलभ शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। बस स्टेशनों के शौचालयों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ चूने का छिड़काव भी सुनिश्चित किया जाए।

दयाशंकर सिंह ने बसों को मार्ग पर भेजने से पहले उनकी साफ–सफाई और फिटनेस की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी बस के शीशे टूटे हुए अथवा सीट फटी हुई नहीं होनी चाहिए। सभी बसें यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थिति में ही संचालित की जाएं।परिवहन मंत्री ने चालकों एवं परिचालकों को यात्रियों के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्ग में मिलने वाले प्रत्येक यात्री को सम्मानपूर्वक बस में बैठाया जाए और उसके गंतव्य स्थान पर सुरक्षित उतारा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ दिव्यांगजनों के आने पर यथासंभव बस में आरक्षित सीट उपलब्ध कराई जाए। बसों में प्रतिबंधित एवं ज्वलनशील पदार्थों का परिवहन किसी भी स्थिति में न हो। मार्ग में पड़ने वाले सभी बस स्टेशनों से होकर बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए।मंत्री ने कहा कि सभी चालक एवं परिचालक ड्यूटी के दौरान अनिवार्य रूप से वर्दी में रहें। बस स्टेशनों पर उद्घोषणा यंत्र हमेशा क्रियाशील स्थिति में रखा जाए तथा सभी बसों में प्राथमिक उपचार पेटी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यात्रियों के साथ ले जाए जाने वाले घरेलू सामान का भार निर्धारित मानक से अधिक होने पर नियमानुसार बुक कराकर ही परिवहन किया जाए। त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त रखने और यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर परिवहन सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

बीबीएयू के 11वें दीक्षांत समारोह में राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों से कहा- बड़े लक्ष्य के लिए मन बड़ा रखें, ज्ञान को राष्ट्र निर्माण से जोड़

लखनऊ, (आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में शनिवार को 11वें दीक्षांत समारोह–2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023, 2024, 2025 एवं 2026 के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समारोह के मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सदस्य मिथिलेश कुमार, बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. विक्रम सिंह यादव मंच पर मौजूद रहे।समारोह का शुभारंभ अतिथियों एवं कुलपति द्वारा बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद शैक्षणिक शोभायात्रा, दीप प्रज्वलन और विश्वविद्यालय के कुलगीत का सामूहिक गायन हुआ। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति चौधरी ने किया।मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पंक्तियों "छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता" का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि जीवन में बड़े लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मन को बड़ा रखना आवश्यक है। व्यापक सोच और सकारात्मकता से व्यक्ति सुख एवं संतुष्टि की अनुभूति कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा और चिंतन अत्यंत समृद्ध रहा है तथा संत–महात्माओं ने सदियों पहले जिन जीवन–मूल्यों की बात की थी, आज पूरी दुनिया उन्हें अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत जो बोलता है, दुनिया उसे ध्यान से सुनती है।राजनाथ सिंह ने कहा कि बीबीएयू का नाम डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जैसे महान विचारक एवं समाज सुधारक से जुड़ा है, इसलिए यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से अपेक्षाएं भी अधिक हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा वही है, जो मस्तिष्क, हृदय और हाथ, तीनों का विकास करे। मस्तिष्क से तार्किक एवं विवेकपूर्ण क्षमता, हृदय से मानवीय संवेदनाएं और हाथों के माध्यम से ज्ञान को व्यावहारिक कौशल में बदलने की क्षमता विकसित होनी चाहिए। शिक्षा के साथ संस्कार और संस्कार के साथ संवेदनशीलता आवश्यक है।रक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उपलब्धियों का वास्तविक मूल्य तभी बढ़ता है, जब उनके साथ चरित्र और संस्कार जुड़े हों। उनकी कामना है कि बीबीएयू से ऐसे युवा निकलें, जो भारत के भविष्य की तस्वीर बदलने में सक्षम हों और केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें। डॉ. अम्बेडकर के "म्कनबंजम, ।हपजंजम ंदक व्तहंदप्रम" मंत्र से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि डिग्री केवल जीवन–यात्रा का प्रवेश बिंदु है, मंजिल नहीं। विद्यार्थियों को चुनौतियों को अवसरों में बदलने और सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की कला सीखनी चाहिए।उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। युवाओं की प्रतिभा, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से देश को और आगे ले जाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, कौशल और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों को अंकों की दौड़ से स्वयं को अलग करना होगा। विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और देश के हित में कार्य करना होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने ज्ञान, कौशल एवं प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर और अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों एवं योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि इन महान विभूतियों के सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी की है। उन्होंने विद्यार्थियों से सामाजिक समरसता, समानता, राष्ट्र सेवा और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बीबीएयू ने नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड तथा एनआईआरएफ की विश्वविद्यालय श्रेणी में 37वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय में पंचकोशीय आधारित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए 20 हॉबी क्लब स्थापित किए गए हैं। नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए सेक्शन–8 कंपनी 'नवकल्पना' की स्थापना की गई है।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है। दिसंबर तक नए अकादमिक ब्लॉक के तैयार होने की संभावना है। परिसर में सड़कों के चौड़ीकरण और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, कृषि एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए पांच गांवों को गोद लिया गया है। विश्वविद्यालय के वृक्षारोपण अभियान के तहत 2,055 पौधे रोपित कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया गया है। परिसर में मियावाकी वन विकसित किया गया है तथा लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से अमेठी परिसर में सुविधाओं के विकास एवं विस्तार का कार्य चल रहा है।दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2023 से 2026 तक के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 22 विद्यार्थियों को मंच से स्वर्ण पदक एवं उपाधि देकर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2023 में बृजेश गुप्ता, प्रियांशु, सोनम वर्मा, जागृति सिंह और रचार्ला ओजस्विथा राव को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। वर्ष 2024 में हर्षिता पाठक, अवंतिका कुमारी, प्राची गुप्ता और के.एम. प्रतिभा वर्मा को सम्मानित किया गया। वर्ष 2025 में स्तुति कुमारी, अभिषेक कुमार, नंदिनी शर्मा और आस्था प्रियदर्शिनी को तथा वर्ष 2026 में शुभम यादव, आनंद कुमार, गोनुगुंटला गोपी कृष्णा और जिज्ञासा को स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान की गई।विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. देवेश कुमार को डीएससी की उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त आर.डी. सोनकर पुरस्कार के तहत शैक्षणिक वर्ष 2023 के ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, वर्ष 2024 की शिवांगी, वर्ष 2025 की सोनी निर्मल तथा वर्ष 2026 की प्रभा चंद्र को सम्मानित किया गया।समारोह में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं अकादमिक उपलब्धियों को समेटे 11वें दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन किया गया। कुलपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने राष्ट्रहित एवं समाजहित में कार्य करने, अपने ज्ञान एवं कौशल का सदुपयोग करने तथा देश के विकास में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।दीक्षांत समारोह के द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को उनके संबंधित विभागों में उपाधियां प्रदान की गईं।

रामनगरी में 18 करोड़ से बनेगा मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कांप्लेक्स

अयोध्या। रामनगरी में खिलाड़ियों को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्धा कराने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है। वशिष्ठ कुंड वार्ड में 17 करोड़ 83 लाख 81 हजार रुपये की लागत से मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा। करीब 4684 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनने वाले इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शनिवार को खेल दिवस के अवसर पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने वैदिक विधि–विधान से भूमि पूजन कर स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि योगी सरकार में खेल सुविधाओं के विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। अयोध्या में आधुनिक एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त स्पोर्ट्स कांप्लेक्स बनने से शहर के खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलेगा और नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि कक्षा से अधिक व्यावहारिक ज्ञान खेल के मैदान में मिलता है। खेल व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करता है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि मेजर ध्यानचंद की जयंती और खेल दिवस पर खिलाड़ियों के लिए इससे बड़ी सौगात और कुछ नहीं हो सकती। यह स्पोर्ट्स कांप्लेक्स अयोध्या के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देगा। कार्यक्रम का संचालन अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ ने किया। इस मौके पर उपसभापति संतोष सिंह, पार्षद रंजना यादव, विनय जायसवाल, रमाशंकर निषाद, सूर्यकुमार तिवारी, चंदन सिंह, हरिश्चंद्र गुप्ता, अभिनव पांडेय, अजय पांडेय, ज्ञान केसरवानी, सुशील मिश्र बबलू, दीप कुमार, सुल्तान अंसारी, सुफियान, भाजपा नेता हेमंत जायसवाल, आलोक द्विवेदी, रवि सोनकर, दिव्य प्रकाश तिवारी, इंजीनियर रवि तिवारी, मधुकरिया संत एमबी दास, धर्मेंद्र सिंह, व्यापारी नेता अंजनी गर्ग, खेल जगत के रोहित शर्मा, राहुल सिंह, योगेश्वर सिंह, सुनील अवस्थी, श्रीनिवास शास्त्री, अजीत सिंह, क्रीड़ा अधिकारी अमित सक्सेना आदि मौजूद रहे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत बनने वाला स्पोर्ट्स कांप्लेक्स 4684 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा। इसमें भवन का निर्माण 3064 वर्ग मीटर में होगा। भवन में 1372 वर्ग मीटर का बेसमेंट, 1664 वर्ग मीटर का भूतल तथा करीब 789 वर्ग मीटर में प्रथम एवं द्वितीय तल का निर्माण होगा। करीब 91 वर्ग मीटर का टेरेस भी विकसित किया जाएगा।स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, कुश्ती कोर्ट, जिम्नेशियम, टेबल टेनिस हॉल, बहुउद्देशीय हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, कैफेटेरिया एवं किचन, कोच रूम, कार्यालय, शौचालय, लिफ्ट और सीढ़ियों की सुविधा होगी। परिसर में पार्किंग की भी व्यवस्था रहेगी, जहां चार पहिया और दोपहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान खेल के क्षेत्र में योगदान देने वाली 10 खेल प्रतिभाओं एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें बास्केटबॉल कोच चंदेश्वर पांडेय, वॉलीबॉल के शिवेंद्र सिंह एवं अनुज मिश्रा, कबड्डी के मुकेश निषाद, एथलेटिक्स के गोलू मौर्य, क्रिकेट के रंगेशमणि त्रिपाठी, बैडमिंटन के अनूप दुबे, हॉकी के राजेश श्रीवास्तव, वॉलीबॉल के सालिकराम यादव और एथलेटिक्स की नीतू गुप्ता शामिल रहीं। इसके अलावा वशिष्ठ फाउंडेशन की ओर से साइकिलिंग के क्षेत्र में प्रतिभा दिखा रही 15 वर्षीय किशोरी बेबी को स्वर्गीय अमित सिंह अश्मित सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप फाउंडेशन की ओर से उसे 11 हजार रुपये का चेक दिया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के स्वागत में जुटेगा भाजपाई कुनबा

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के 31 अगस्त को अयोध्या आगमन पर जोरदार स्वागत की तैयारियां की गई हैं। राष्ट्रीय महामंत्री पद का दायित्व संभालने के बाद जिले में उनका यह पहला आगमन होगा। उनके साथ भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री संगीता यादव भी रहेंगी। मवई से अयोध्या पुल तक करीब दर्जनभर स्थानों पर पार्टी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि दोनों नेताओं का स्वागत करेंगे। स्वागत कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने भिटरिया में पार्टी पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्वागत कार्यक्रम को गरिमापूर्ण और ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। स्वागत क्रम में मवई में ब्लॉक प्रमुख राजीव तिवारी की अगुवाई में स्वागत किया जाएगा। रुदौली में विधायक रामचंद्र यादव व जिला पदाधिकारी, चौधरी चरण सिंह इंटर कॉलेज महोली में विधायक अमित सिंह चौहान, रौनाही टोल प्लाजा के पहले पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी 'खब्बू' तथा उर्मिला महाविद्यालय, मुमताज नगर में विधायक चंद्रभानु पासवान की अगुवाई में स्वागत कार्यक्रम होगा। महानगर सीमा में त्रिमूर्ति होटल के सामने विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं महानगर महामंत्री शिवेंद्र सिंह स्वागत करेंगे। सहादतगंज ओवरब्रिज की शुरुआत में पूर्व विधायक गोरखनाथ, गरुण द्वार पर महानगर पदाधिकारी एवं विधायक अभय सिंह, दिशा कोचिंग के सामने जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह, साकेतपुरी बैंक ऑफ बड़ौदा कार्यालय मोड़ पर पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र तथा रमाय होटल के सामने पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय दोनों नेताओं का स्वागत करेंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने बताया कि 31 अगस्त सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी जिले की सीमा में प्रवेश करेंगे। इसके बाद अयोध्या पुल तक जगह–जगह भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की ओर से अवध की परंपरा और संस्कृति के अनुरूप स्वागत किया जाएगा। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि महानगर में विशेष स्वागत की तैयारी की गई है। यहां 151 बटुक ब्राह्मण स्वस्ति वाचन, पुष्प वर्षा तथा घंटा–घड़ियाल की मंगल ध्वनि के बीच दोनों नेताओं का स्वागत करेंगे। उनके स्वागत के लिए मानव श्रंखला बनाई जाएगी। स्वागत कार्यक्रम में प्रत्येक बूथ की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद काफिला निर्धारित मार्ग से अयोध्या पुल की ओर रवाना होगा। जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने कहा कि हरीश द्विवेदी का राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद पहली बार अयोध्या आगमन कार्यकर्ताओं के लिए विशेष अवसर है।

अधिवक्ताओं के चौंबरों के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर अधिवक्ताओं ने जताया विरोध, 30 अगस्त की कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग

लखनऊ, (आरएनएस)। प्रशासन द्वारा 30 अगस्त 2026 को अधिवक्ताओं के चौंबरों के ध्वस्तीकरण की प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर अधिवक्ताओं ने कड़ा विरोध जताया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि प्रस्तावित कार्रवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा 4 अगस्त 2026 को सीआरपीआईएल संख्या 4/2026 में दिए गए निर्देशों तथा सर्वोच्च न्यायालय के "इन रीरू मनोज तिबरेवाल" मामले में जारी बाध्यकारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप नहीं है।अधिवक्ताओं के अनुसार, उच्च न्यायालय ने 4 अगस्त के आदेश में शेष 58 चौंबरों के संबंध में स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित की थी। इसके तहत एक सप्ताह के भीतर नए नोटिस जारी किए जाने, प्राप्त उत्तरों पर विचार कर संबंधित पक्षों को निर्णय से अवगत कराने तथा इसके बाद ध्वस्तीकरण के संबंध में कार्रवाई से पहले 10 दिन का समय दिए जाने के निर्देश थे। अधिवक्ताओं का आरोप है कि प्रशासन ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया।अधिवक्ताओं का कहना है कि नए नोटिस जारी करने के बजाय उच्च न्यायालय के आदेश के करीब 15 दिन बाद 19 अगस्त 2026 को लगभग 250 चौंबरों पर एक फार्मेट चस्पा कर दिया गया और उसे नोटिस के रूप में प्रस्तुत किया गया। इसी दिन समाचार पत्र में 30 अगस्त को चौंबरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई किए जाने का विज्ञापन भी प्रकाशित करा दिया गया। अधिवक्ताओं ने इसे इस बात का संकेत बताया कि नोटिस अथवा फार्मेट चस्पा किए जाने से पहले ही ध्वस्तीकरण का निर्णय लिया जा चुका था।उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में बाद में किसी उत्तर अथवा सुनवाई की प्रक्रिया का कोई औचित्य नहीं रह जाता। अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम के अध्याय 24 की धारा 554 के तहत निर्धारित नोटिस की वैधानिक प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया जा रहा है। उनके मुताबिक चौंबरों पर चस्पा किया गया फार्मेट धारा 554 में अपेक्षित वैधानिक नोटिस की प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है।अधिवक्ताओं ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा "इन रीरू मनोज तिबरेवाल" मामले में जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रभावित व्यक्तियों को विधिसम्मत नोटिस और प्रभावी अवसर प्रदान किया जाना आवश्यक है। इसके बावजूद यदि 30 अगस्त को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाती है तो यह उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों एवं निर्देशों की जानबूझकर तथा सोच–समझकर अवमानना होगी।अधिवक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि 30 अगस्त को प्रस्तावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तत्काल रोकी जाए और आगे की कोई भी कार्रवाई उच्च न्यायालय के 4 अगस्त 2026 के आदेश, नगर निगम अधिनियम की धारा 554 के वैधानिक प्रावधानों तथा सर्वोच्च न्यायालय के बाध्यकारी दिशा–निर्देशों का पूर्ण अनुपालन करने के बाद ही की जाए।अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि न्यायालयों के आदेशों का पालन किए बिना ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाती है तो वे न्यायालयों के आदेशों की गरिमा, विधि के शासन और अधिवक्ताओं के वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक वैधानिक एवं न्यायिक उपाय अपनाने को बाध्य होंगे। इनमें सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना याचिका तथा प्रशासन की इकाइयों द्वारा किए गए कथित अवैध कृत्यों के लिए क्षतिपूर्ति संबंधी याचिका दाखिल करने की कार्रवाई भी शामिल है।

डीएम का जिला अस्पताल पर चला जनहित में हंटर

अयोध्या। जिला अस्पताल में आ रहे रोगियों को सरकार की योजनाओं का लाभ देने में की जा रही हीलाहवाली, कुछ डाक्टर की दवा खरीद में दलाली व रोगियों से हो रहे दुर्व्यवहार का मामला पुनः सामने आया है। गौरतलब है कि मिल्कीपुर क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता परमानंद शुक्ल जो प्रायः ग्रामीण क्षेत्रों के रोगियों के मदद में जिला अस्पताल आया करते हैं, बीते दिनों एक रोगी द्वारा अस्पताल में इलाज कराने के अनुरोध पर उन्होंने एक व्यक्ति को उक्त मरीज को दिखाने को कहा। इलाज के दौरान उक्त रोगी को वहीं इमरजेंसी में स्टैंड पर टंगी उपयोग की हुई आधी ग्लूकोज की बोतल ड्रिप कर लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया। साथ ही उस रोगी व उसके सहयोगी को बाहर की दवा लिखकर साथ आदमी भेजने व संबंधित दुकान पर जाकर डाक्टर से बात कराने का निर्देश दिया गया। पीड़ित द्वारा अपना इलाज कराने के उपरांत क्षेत्रीय नेता व सामाजिक कार्यकर्ता परमानंद शुक्ल को अपने साथ हुए घटनाक्रम व उत्तर प्रदेश की रोगियों के प्रति संवेदनशील सरकार की मंशा की धज्जियां उड़ाने वाले जिला अस्पताल की संवेदना शून्य व्यवहार की जानकारी दिया। इस विषय का संज्ञान श्री शुक्ल द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता व व्यापार अधिकार मंच के महानगर प्रभारी विश्व प्रकाश रूपन ने इसकी शिकायत सीधे जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी से किया। उन्होंने तत्काल इस विषय पर कड़ा एक्शन लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को इसकी छानबीन कर सख्त कार्रवाई का निर्देश देते ही अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। परमानंद शुक्ल ने सामाजिक कार्यकर्ता विश्व प्रकाश रूपन की जनहित में किए गए सहयोग व संवेदनशील जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी का आभार व्यक्त किया है। श्री शुक्ल ने कहा कि रोगियों के साथ हो रहे एसे रवैए, बाहरी दलालों के दखल, मेडिकल कम्पनियों के प्रतिनिधियों का डाक्टरों के ऊपर लालच का घेरा तोड़ने व सरकारी सुविधाओं का लाभ आम रोगियों को दिए जाने हेतु इन अस्पतालों के समय समय पर औचक निरीक्षण कराते रहने को आवश्यक बताया है।

विधायक ने 6 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

-विद्युत कटौती को लेकर अवरअभियंता व एसडीओ को लगाई फटकार

अयोध्या। बीकापुर विधानसभा में लगातार विकास कार्य जारी है, शनिवार को बीकापुर विधायक डॉक्टर अमित सिंह चौहान ने लगभग 6 विकास परियोजना का लोकार्पण किया। जिसमे बीकापुर के ग्राम पुहंपी मे मंदिर के पास से ओम प्रकाश सिंह के घर तक इंटर लॉकिंग कार्य,ग्राम हाजीपुर में शुभम के घर से विनोद रावत के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य,ग्राम लखोरी में राम सूरत के घर से राजेश सिंह के घर होते हुए मंदिर तक इंटरलॉकिंग कार्य,ग्राम रौनाही में रजिस्ट्री ऑफिस के सामने आदर्श नगर कालोनी तक इंटरलॉकिंग कार्य,ग्राम सरदार का पुरवा में प्रभात सिंह के घर से रामभवन के सामने तालाब तक नाली निर्माण कार्य, ग्राम मुस्तफाबाद में लोध का पुरवा में पक्की सड़क से वीरेंद्र पांडे के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने कहा की राज्य सरकार की जनहित की तमाम योजनाएं जनपद में चलाई जा रही है जिसका फायदा विधानसभा बीकापुर के जनमानस को भी मिल रहा है। उन्होंने बीकापुर में हो रही विद्युत कटौती को लेकर और अवरअभियंता और एसडीओ को विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने उपस्थित जनमानस से कहा की आपकी सारी समस्याओं का निदान आपके गांव में ही कैंप लगाकर किया जाएगा जिसमें पेंशन संबंधी समस्या, आयुष्मान कार्ड आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि पूरे बीकापुर विधानसभा में सड़कों का जाल बिछाया जाए जिस पर मैं कार्य कर रहा हूं उसी का नतीजा है की आज मैं लगभग 67 सड़कों का लोकार्पण का कर रहा हूं।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में अधीक्षण अभियंताओं के कार्यों में बदलाव, विपुल कुमार जैन को मुख्यालय से जोड़ा गया

लखनऊ, (आरएनएस)। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने प्रशासनिक आवश्यकता के दृष्टिगत अधीक्षण अभियंताओं के कार्यों में बदलाव करते हुए तैनाती आदेश जारी किया है। निगम के प्रधान कार्यालय से 27 अगस्त 2026 को जारी कार्यालय–ज्ञाप के अनुसार अधीक्षण अभियंता विपुल कुमार जैन को विद्युत वितरण मंडल सुल्तानपुर से हटाकर मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ से संबद्ध किया गया है।जारी आदेश के अनुसार विपुल कुमार जैन वर्तमान में अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल सुल्तानपुर के पद पर तैनात थे। उन्हें तत्काल प्रभाव से अधीक्षण अभियंता (सम्बद्ध), मध्यांचल मुख्यालय, लखनऊ के रूप में तैनात किया गया है। उनके कार्यों में अधीक्षण अभियंता (मुख्यालय), अधीक्षण अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) तथा प्रथम अपीलीय अधिकारी (जनसूचना) से संबंधित दायित्व शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारियों द्वारा समय–समय पर सौंपे जाने वाले अन्य कार्य भी उन्हें करने होंगे।कार्यालय–ज्ञाप में पूर्व आदेश के तहत अधीक्षण अभियंता विवेक कुमार सिंह को आवंटित अधीक्षण अभियंता (मुख्यालय), मध्यांचल मुख्यालय लखनऊ तथा प्रथम अपीलीय अधिकारी (जनसूचना), मध्यांचल मुख्यालय लखनऊ के कार्य तत्काल प्रभाव से समाप्त किए जाने का भी उल्लेख किया गया है।आदेश में कहा गया है कि संबंधित इकाई प्रमुख अथवा नियंत्रक अधिकारी को बिना प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए स्थानीय व्यवस्था के माध्यम से अधिकारी को तत्काल कार्यमुक्त करना होगा। साथ ही कार्यमुक्ति की तिथि को नियमानुसार वार्षिक गोपनीय आख्या के अंकन एवं स्वांकन की प्रक्रिया पूरी कराने की जिम्मेदारी भी नियंत्रक अधिकारी की होगी।निगम ने स्पष्ट किया है कि ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत नए पद पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए किसी प्रकार का कार्यभार ग्रहणकाल अनुमन्य नहीं होगा।

स्वाइन फ्लू संक्रमण की आशंका के बीच स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई निगरानी, आरक्षित किए बेड

अयोध्या । स्वाइन फ्लू की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में सतर्कता बढ़ा दी है। डिप्टी सीएम की बैठक में मिले निर्देशों के बाद अस्पतालों में मरीजों के उपचार और निगरानी के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में 50, जिला अस्पताल में 20 और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पांचदृपांच बेड आरक्षित किए गए हैं। इसके अलावा सभी अस्पतालों में फीवर हेल्प डेस्क स्थापित कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने बताया कि स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है। अस्पतालों में आवश्यक दवाओं के साथ वैक्सीन भी उपलब्ध है। बीमारी के लक्षणों और बचाव के उपायों को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार–प्रसार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वाइन फ्लू में सामान्य तौर पर सिरदर्द, बुखार, सर्दी–जुकाम, खांसी और गले में खराश जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे लक्षण नजर आने पर इसे सामान्य वायरल समझकर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। लोगों को चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई है। साथ ही भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने और संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने को कहा गया है। सीएमओ ने बताया कि फिलहाल जिले में स्वाइन फ्लू का कोई संदिग्ध मरीज सामने नहीं आया है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग एहतियात के तौर पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर रहा है,

रक्षाबंधन पर लिफाफा वितरण को लेकर ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, बोले- 'राखी घोटाला' करके बैठ गए?

लखनऊ, (आरएनएस)। रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को लिफाफा वितरण को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। राजभर ने आरोप लगाया कि महिलाओं को 11 हजार रुपये देने के नाम पर बुलाया गया, लेकिन उन्हें 1100 रुपये का लिफाफा थमा दिया गया।ओपी राजभर ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि 11 हजार रुपये देने की बात कही गई थी तो महिलाओं को केवल 1100 रुपये ही क्यों दिए गए? उन्होंने तंज कसते हुए अखिलेश यादव से पूछा कि "लिफाफे से बाकी 9900 रुपये कहां गायब हो गए?"राजभर ने आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि महिलाओं को 11 हजार रुपये देने की घोषणा की गई थी तो पूरी राशि दी जानी चाहिए थी। उन्होंने इसी मुद्दे को लेकर तंज कसते हुए कहा कि "अखिलेश जी, कुछ नहीं मिला तो 'राखी घोटाला' करके बैठ गए?"उन्होंने अखिलेश यादव को सलाह देते हुए अपने राजनीतिक अंदाज में कहा कि पार्टी के भीतर मौजूद 'विभीषणों' से जल्द छुटकारा पा लीजिए, वरना ये आपकी लंका लगा देंगे।

रक्षाबंधन पर घर लौटे युवक को बदमाशों ने मारी तीन गोलियां

घर के बाहर बाइक सवार तीन हमलावरों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

सुल्तानपुर। रक्षाबंधन पर परिवार के साथ त्योहार मनाने मध्य प्रदेश से घर लौटे 40 वर्षीय युवक विपिन सिंह को शुक्रवार देर रात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। ढेमा चौराहे पर घर के बाहर हुई फायरिंग में विपिन के बाएं सीने में तीन गोलियां लगीं। गंभीर हालत में उन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। घटना शुक्रवार रात करीब 11.45 बजे की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, विपिन घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान तीन बाइक सवार हमलावर पहुंचे और उन पर फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां लगने से विपिन जमीन पर गिर पड़े। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। परिजन उन्हें सीएचसी मोतिगरपुर लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में वारदात के पीछे पुरानी रंजिश की बात सामने आई है। मुड़हा निवासी शिवम सिंह और इंद्रसेन सिंह के परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद बताया जा रहा है। घायल विपिन इंद्रसेन सिंह के पुत्र हैं। विपिन के चाचा दान बहादुर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने शिवम सिंह और दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने घटनास्थल से चार खोखे बरामद किए हैं। सीओ जयसिंहपुर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

09 वर्ष बाद अपने बेटे को देख मां बाप की आँखे हुई नम

कुड़वारध्सुल्तानपुर। 09 वर्ष पूर्व गांव के रिश्तेदार के साथ खलासी का काम करने गए किशोर के अचानक घर पहुंचने पर परिवार की आंखे नम हो गई। जो माता पिता बेटे की उम्मीद छोड़ चुके थे उनके बेटे के सामने आने पर खुशियों का ठिकाना नहीं रहा और दोनों की आंखें नम हो गई। बता दे कि 20 अगस्त 2017 को स्थानीय थाना क्षेत्र के कालू का पुरवा भंडरा परशुराम गांव निवासी त्रिभुवन नाथ पाठक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनका 14 वर्षीय बेटा सौरभ को गांव के रिश्तेदार ट्रक चालक संजय चौबे निवासी चौबे का पुरवा शालीपुर बीकापुर अयोध्या ट्रक पर खलासी का कार्य करने के लिए ले गया था।जब सौरभ के पिता ने रिश्तेदार से बात कराने को कहा तो उसने बताया कि वह कही चला गया उनके पास नहीं है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर काफी खोजबीन की लेकिन किशोर का पता नहीं चल सका।थकहारकर पुलिस ने भी मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी। जिसके बाद माता पिता ने बेटे की उम्मीद छोड़ दी। दो वर्ष पूर्व लंभुआ कोतवाली क्षेत्र में एक मंदबुद्धी युवक को सौरभ के पिता अपना बेटा समझ कर घर लेकर आ गए थे।लेकिन 02 दिन पूर्व जब उनका असली बेटा घर पहुंचा तो पिता त्रिभवन नाथ सहित अन्य परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। घर पहुंचे सौरभ ने बताया कि जब खलासी का काम करने गया था तो वह दिल्ली के पास ट्रक से दूध लेने उतरा था जब वापस लौटा तो ट्रक नहीं मिली। उसके बाद उसे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शामली पहुंचा दिया। जहां उसे एक बड़े तबेले में बंधक बना लिया गया। दो माह पूर्व वह किसी तरह वहां से निकल पाया तो उसने पुलिस की शरण ली।लेकिन पुलिस से मदद न मिलने के बाद उसे एक मुस्लिम युवक अपने साथ गाजियाबाद

लेकर चला गया और एक माह काम करने के बाद जब सौरभ ने घर आने की इच्छा जताई तो उसने 10 हजार रुपया देकर सुल्तानपुर की ट्रेन पर बैठा दिया। सौरभ के घर पहुंचते ही परिवार में खुशी का माहौल हो गया।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

जौनपुर । जिले के बक्शा थाना क्षेत्र में प्रयागराज मार्ग पर फतेहगंज बाजार के पास दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। कल रात हुई इस दुर्घटना में इलाज के दौरान शनिवार को दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घायल युवक का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।बताते है कि बीरभानपुर गांव निवासी 20 वर्षीय अजीत कुमार यादव अपने घर से पशुओं के लिए चोकर लेने फतेहगंज बाजार गया था। चोकर लेकर वापस लौटते समय उसकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में अजीत कुमार यादव और दूसरी बाइक पर सवार 19 वर्षीय आफिर की इलाज के दौरान मौत हो गई। आफिर सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के तमाशापुर गांव का निवासी था और उसने जिला अस्पताल में दम तोड़ा।आफिर के साथ बैठा पुरानी बाजार कोतवाली निवासी रंजीत कुमार राव भी घायल हो गया, जिसे परिजनों ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल से निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने दोनों बाइकों और शवों को कब्जे में ले लिया है।

छात्र मेहनत कर अनुषासित जीवन जीयें कुलपति

जौनपुर । राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर षनिवार को पूर्वांन्चल विश्वविद्यालय जौनपुर के मेजर ध्यानचन्द क्रीड़ा संकुल में हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की जयन्ती मनायी गय क्रीड़ा संकुल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह द्वारा मेजर ध्यानचन्द की चित्र पर पुष्पाजंली अर्पित की। कुलपति ने अपने संबोधन में उपस्थित छात्र–छात्राओं, प्राध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाया कि नियमित रूप से खेल में भाग लेगें तथा फिट इण्डिया कार्यक्रम के तहत और लोगों को भी नियिमित रूप से खेल तथा योगाभ्यास के लिए प्रेरित करेगें। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में स्थापित करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने खेल कौशल को और बेहतर बनाने के लिए छात्रों को प्रेरित करते हुए कड़ी मेहनत और अनुशासित जीवन, खेल भावना का ध्यान रखने का संदेश दिया। बैडमिन्टन पुरूष एवं महिला, योगाभ्यास पुरूष एवं महिला, रस्साकसी पुरूष एवं महिला की प्रतियोगितायें सम्पन्न करायी गयी, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी और भारी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर,एक की मौत

बंधुआ कला थाना क्षेत्र दादूपुर गांव के पास हुआ हादसा

कुड़वारध्सुल्तानपुर। लखनऊ वाराणसी हाईवे पर अनियंत्रित कार ने दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर हालत में दोनों को इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया।जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है।शुक्रवार को बंधुआ कला थाना क्षेत्र में दादूपुर गांव में हाइवे कट के पास अनियंत्रित स्कॉर्पियो वाहन ने अरविंद(30) पुत्र राम सुमेर निवासी रामपुर चांदा व कक्कू(17) पुत्र त्रिभुवन निवासी इशुपुर चांदा ने टक्कर मार दी। जो सुल्तानपुर से लखनऊ की तरफ जा रही थी। गंभीर हालत में इलाज के लिए दोनों घायलों को जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।जहां ईलाज के दौरान अरविंद की मौत हो गई। जबकि कक्कू का इलाज अस्पताल में चल रहा है। थानाध्यक्ष बंधुआ कला प्रमोद कुमार पटेल ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा नगर कोतवाली पुलिस द्वारा किया गया है। मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है।

स्वाइन फ्लू से जंग लड़ने के लिए मेडिकल कालेज ने की तैयारी

सुल्तानपुर। स्वाइन फ्लू से दो–दो हांथ करने के लिए मेडिकल कॉलेज पूरी तरह एलर्ट मोड पर है। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डां.प्रियांक वर्मा ने स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए अभी तक पुरानी बिल्डिंग के आईसीयू वार्ड में 10 बेड सुरक्षित करने के साथ ही आवश्यक औषधि तथा डॉक्टरों की टीम को एलर्ट मोड पर रखने की बात कही है, साथ ही प्राचार्य डां.प्रियांक वर्मा ने बताया की अतिशीघ्र आठ बेड स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए और बढ़ाने की प्रक्रिया चल रही है, वही मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.एसी गुप्ता ने बताया की यदि किसी को सर्दी, खांसी, बुखार या सांस फूलने की शिकायत हो तो फौरन नजदीकी सरकारी अस्पताल जाए, साथ ही ऐसे मरीजों को भीड़–भाड़ वाले स्थान पर जाने से बचना चाहिए, मरीज व आम लोगों को मास्क का उपयोग करना चाहिए तथा हांथ मिलाने से बचना चाहिए सीएमएस डां.अविनाश चंद्र गुप्ता ने बताया कि स्वाइन फ्लू में भी उतना ही एहतियात बरतना होगा जितना कोरोना के समय किया गया था। डां.अविनाश चंद्र गुप्ता ने बताया की घबराए नहीं अफवाहों पर ध्यान न दे,यदि किसी को खांसी, बुखार, सर्दी या सांस फूलने की शिकायत है तो सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाए डाक्टर की सलाह ले यदि स्वाइन फ्लू के लक्षण है तो जांच व ईलाज करवाएं।

बरिष से बरामदा ढहा

जौनपुर। मीरगंज क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण अगहुआ गांव में एक कच्चे मकान का बरामदा अचानक ढह गया। हादसे के समय बरामदे में कोई मौजूद नहीं था, जिससे परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए। हालांकि, बरामदा गिरने से उसमें रखा खाद्य पदार्थ और घरेलू उपयोग का अन्य सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। अगहुआ गांव निवासी विजय कुमार बेनबंशी का कच्चा मकान है। पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण मकान का बरामदा कमजोर हो गया था। शनिवार को बरामदा अचानक भरभराकर ढह गया। बरामदे के मलबे में वहां रखा घरेलू सामान और खाद्य सामग्री दब गई।घटना के बाद बेनबंशी परिवार के सामने रहने और बचे हुए सामान को सुरक्षित रखने की समस्या खड़ी हो गई है। बरामदा गिरने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और परिवार की मदद की।

तिरहुत बाजार में 'स्वच्छता मिशन' की खुली पोल, कूड़े के ढेर में दम तोड़ती सफाई व्यवस्था

बल्दीराय सुल्तानपुर। बल्दीराय विकासखंड की ग्रामसभा तिरहुत बाजार में स्वच्छता व्यवस्था की बदहाली ने ग्रामीण स्वच्छता मिशन के दावों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। बाजार में दो प्रमुख मंदिरों के आसपास और आबादी के बीच लंबे समय से कूड़े–कचरे का ढेर लगे होने की शिकायत अब जिला प्रशासन तक पहुंच गई है। शिकायतकर्ता मृत्युंजय सिंह सिसोदिया ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मौके की सफाई कराने के साथ जिम्मेदारों की भूमिका की जांच की मांग की है।

दो मंदिर, बड़ी आबादी और बीच में कूड़े का 'साम्राज्य'

जिस स्थान पर कचरा जमा होने की बात कही जा रही है, उसके आसपास दो मंदिरों के अलावा गांव और बाजार की बड़ी आबादी रहती है। ऐसे में खुले में पड़ा, सड़ा–गला कचरा, गंदगी और गंदे पानी का जमाव स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बरसात के मौसम में जलभराव के साथ स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। यह महज गंदगी का मामला नहीं है। आबादी के बीच लगातार कचरा पड़ा रहना मच्छरों और अन्य कीटों के पनपने की परिस्थितियां पैदा कर सकता है, जिससे संक्रामक घातक रोगों का खतरा बढ़ सकता है। सवाल यह है कि जब स्वच्छता व्यवस्था के लिए पंचायत स्तर पर जिम्मेदारियां निर्धारित हैं, तो फिर तिरहुत बाजार में सफाई क्यों नहीं दिखाई दे रही?

सफाईकर्मी कहां हैं? ड्यूटी पर उठे गंभीर सवाल

ग्रामसभा में तैनात सफाईकर्मी नियमित रूप से सार्वजनिक स्थलों की सफाई करने के बजाय, कहां कार्य करते हैं ? जब गांव के कचरे, नाली डम्प हैं तो कार्य कहां हुआ ? गांव वालों के मुताबिक सफाईकर्मी आते ही नही हैं गांव में। जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते, मनमानी सफाई कर्मी ग्रामसभा में सफाई कार्य व्यवस्था के प्रति शून्य हैं। जिसका जीत जगस्त उदाहरण प्रत्यक्ष है। जिसकी जांच और कार्यवाई भी आवश्यक है।

जांच हुई तो खुल सकते हैं कई राज!

मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो सफाईकर्मियों की वास्तविक तैनाती, उपस्थिति पंजिका, कार्यस्थल, सफाई व्यवस्था पर होने वाले खर्च और मौके की स्थिति इन सभी का मिलान किया जा सकता है। इससे यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि स्वच्छता व्यवस्था केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित है या वास्तव में गांव–बाजार में इसका लाभ पहुंच रहा है। यदि जांच में सरकारी सफाईकर्मियों को निजी कार्यों में लगाए जाने के आरोप प्रमाणित होते हैं तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की आवश्यकता होगी।

अब 'सफाई' नहीं, जवाबदेही की दरकार

तिरहुत बाजार में जमा कूड़ा केवल एक स्थान की गंदगी नहीं, बल्कि संपुर्ण विकासखण्ड में, पंचायत स्तर की स्वच्छता व्यवस्था की निगरानी पर भी सवाल है। सफाई कर्मियों की मनमानी कई ग्रामसभाओं में आसानी से देखी जा सकती है। तिरहुत में ग्रामीणों की मांग है कि जिला प्रशासन शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मौके का स्थलीय निरीक्षण कराए, सफाई व्यवस्था की जांच करे और दोषी पाए जाने वालों की जवाबदेही तय करे। अब देखना यह है कि शिकायत के बाद प्रशासन सिर्फ कूड़ा हटवाकर मामला शांत करता है या फिर कूड़े के पीछे छिपी कथित लापरवाही और जिम्मेदारी की भी जांच कराता है।

परिषदीय स्कूलों की बदहाली पर आप का प्रदर्शन, सुधार की मांग

सुल्तानपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने शनिवार को बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिले के परिषदीय विद्यालयों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने जर्जर भवनों, जलभराव, खराब शौचालय, पेयजल की समस्या और बाउंड्रीवाल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया।

दुबे ने बताया कि आप की टीम ने प्रतापपुर कमैचा, जयसिंहपुर और मोतिगरपुर विकासखंड के कई प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के आधार पर तैयार ज्ञापन में स्कूलों की खराब स्थिति का विस्तृत उल्लेख किया गया है। रूपी का पूरा प्राथमिक विद्यालय जलभराव और कीचड़ से घिरा है। भवन जर्जर होने के साथ छतें टपक रही हैं और शौचालय अनुपयोगी हैं। रामगढ़ प्राथमिक विद्यालय में तीन कमरों में कक्षा एक से पांच तक की पढ़ाई संचालित हो रही है। दरपीपुर के नए भवन की छत भी टपक रही है,

जबकि लामा बनकटा विद्यालय भवन विहीन है। अन्य कई विद्यालयों में रास्ते, बाउंड्रीवाल, पंखे और जलनिकासी की समस्या बताई गई।

उच्च प्राथमिक विद्यालय मलवा में एक ही शिक्षक के भरोसे पढ़ाई संचालित होने का आरोप है।

बीएसए उपेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों से खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देने के लिए कहा गया था। आप ने जर्जर भवनों की मरम्मत, जलनिकासी, रास्तों और मूलभूत सुविधाओं की तत्काल व्यवस्था की मांग की है।

नर्सिंग छात्रा की मौत में प्रधानाचार्य-वार्डन पर एफआईआर

अमेठी/सुलतानपुर। मुंशीगंज स्थित इंदिरा गांधी स्कूल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की जीएनएम तृतीय वर्ष की छात्रा दीप्ति यादव की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रमेश और वार्डन नेहा शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मृतका की मां सुनीता यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद मामला गरमा गया है। परिजनों ने मौत को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिवार का आरोप है कि घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध थीं और उन्हें पूरी जानकारी दिए बिना शव के संबंध में जल्दबाजी में कार्रवाई की गई। परिजनों ने कॉलेज परिसर के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतका की मां सुनीता यादव ने दो टूक कहा है कि जब तक सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी नहीं होती,बेटी का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। परिवार के इस रुख से पुलिस–प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है। तहरीर के मुताबिक घटना वाले दिन सुबह करीब 11 बजे दीप्ति की परिजनों से फोन पर बात हुई थी। इसके बाद कॉलेज से उसकी तबीयत खराब होने की सूचना दी गई। परिजन कॉलेज पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटनाक्रम को लेकर परिवार ने कई गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्रधानाचार्य और वार्डन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सात्विक वृत्तियों के साथ ही सत्संग संभव - मदन मोहन

बदलापुरध्जौनपुर। बदलापुर के घनश्यामपुर बाजार स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव में वाराणसी से आए मानस कोविद डॉ. मदन मोहन मिश्र ने शनिवार को प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि सात्विक वृत्तियों के साथ ही सत्संग संभव है। तामसी वृत्तियों के संग को कुसंग बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है, इसलिए इससे बचकर सत्संग करना चाहिए।डॉ. मिश्र ने सती द्वारा सीता का वेष धारण करने का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि सती ने सीता का रूप तो धारण कर लिया, लेकिन उनके आचरण को नहीं अपना पाईं। वास्तविक सीता भगवान राम के पीछे चलती थीं, जबकि सीता बनीं सती उनके आगे चलने लगीं। इस प्रसंग के माध्यम से कहा कि नकल करने के लिए भी बुद्धि की आवश्यकता होती है।उन्होंने दक्ष के यज्ञ का उदाहरण देते हुए समझाया कि वह इसलिए पूर्ण नहीं हो सका,।

आपरेटर को ामकी देकर बाइक तोड़ा

जौनपुर।जलालपुर क्षेत्र के हौज टोल प्लाजा के पास स्थित ब्रह्मबाबा जल निगम पानी टँकी के ऑपरेटर को हौज गांव का ही एक युवक धमकी दिया साथ ही उसकी बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। ऑपरेटर रतन सिंह परमार का कहना है कि जल निगम की टँकी के संचालन के लिए जहां से विद्युत आपूर्ति हो रही थी।वहां से कुछ लोगों ने अवैध रूप से केबल से बिजली खींचकर हाइवे के पटरी पर अपनी दुकान में बिजली का उपयोग कर रहे थे।उन अवैध कनेक्शनधारियों की बिजली विभाग के जेई ने कनेक्शन काट दिया।उनका केबल उठा ले गए।इसी बात से बौखला कर हौज गांव के एक युवक ने उनकी बाइक रूकवाकर गालियां व धमकी दिया।उसके बाद बाइक को गिरा कर उसमें भी तोड़फोड़ किया। थानाप्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि उनकी ऑनलाइन तहरीर के आधार पर आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को भेजा गया है।

गड्ढे भरे नहीं, गैस पाइपलाइन से फिर सड़के खोदी

जौनपुर। नगर क्षेत्र में विकास कार्यों के नाम पर सड़कों की खोदाई अब लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। पहले सीवर लाइन बिछाने के लिए कालोनियों और मोहल्लों की सड़कों को जगह–जगह खोदा गया और कई स्थानों पर खोदी गई सड़कों की मरम्मत आज तक पूरी तरह नहीं हो सकी। अब गैस पाइपलाइन बिछाने वाली एजेंसी ने रही–सही कसर पूरी कर दी है। हुसेनाबाद मोहल्ले में करीब एक सप्ताह से दर्जनों स्थानों पर सड़क खोदकर गैस पाइपलाइन बिछाई जा रही है, लेकिन काम पूरा होने के बाद गड्ढों को पाटने की जहमत नहीं उठाई गई। इससे पूरे मोहल्ले में आवाजाही मुश्किल हो गई है और लोगों के सामने हर समय हादसे का खतरा मंडरा रहा है। मोहल्ले में पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क के किनारे और कई स्थानों पर बीच सड़क तक खोदाई कर दी गई। पाइप डालने के बाद भी इन गड्ढों को व्यवस्थित तरीके से भरकर सड़क को पहले जैसी स्थिति में नहीं लाया गया। कहीं गहरे गड्ढे हैं तो कहीं खोदी गई मिट्टी और मलबा सड़क पर फैला हुआ है। इससे दोपहिया वाहन चालकों के साथ ही पैदल चलने वालों को भी काफी परेशानी हो रही है। दिन में किसी तरह गड्ढों को देखकर लोग बचकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय स्थिति और खतरनाक हो जाती है। कई स्थानों पर गड्ढों और खोदी गई सड़क को लेकर पर्याप्त संकेतक अथवा सुरक्षा व्यवस्था नजर नहीं आने से राहगीरों के गिरने की आशंका बनी रहती है।

दीवार गिरने से मलवे में दबकर 10 बकरियां मरी

जौनपुर। केराकत तहसील क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ के पौनी गांव में अचानक एक कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। इस हादसे के वक्त दीवार के पास बंधी 6 बकरियां मलबे में दब गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मिट्टी की दीवार थी जो कमजोर होने के कारण अचानक ढह गई।पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक नुकसान ग्रामीण इलाकों में अक्सर बकरियां और मवेशी ही गरीब परिवारों की आजीविका और जमा पूंजी का मुख्य साधन होते हैं। एक साथ छह बकरियों की मौत हो जाने से पीड़ित कमलेश के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और उन्हें बड़ा आर्थिक झटका लगा है। रोते–बिलखते पीड़ित परिवार ने शासन–प्रशासन से इस भारी नुकसान के मुआवजे की गुहार लगाई है।

मोहम्मद मुस्तफा ने सबको बराबरी से देखा

जौनपुर। नमाजे जुमा शिया जामा मस्जिद नवाब बाग में पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा व हजरत इमाम जाफर सादिक की विलादत 17 रबीउल अव्वल की मुनासिबत से महफिल व मिलादे मासूमीन का इन्नेकाद किया गया महफिल की शुरुआत मोहम्मद समद खां ने तिलावते कुराने मजीद से किया महफिल को खिताब करते हुए मौलाना महफुजुल हसन खां ने कहा कि पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद ने एक ऐसे समाज की तश्कील की जिसमें सबको बराबरी की निगाह से देखा जाए मौलाना ने पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की सीरत पर रोशनी डाली और इमाम जाफर सादिक के फजायल ब्यान किए महफिल में हुसैन अब्बास जौनपुरी, अनवर जौनपुरी, हसरत जौनपुरी, वसीम जौनपुरी, मुश्ताक जौनपुरी, तालिब रजा शकील एडवोकेट, अफरोज जौनपुरी, मोहम्मद शफी, इश्तेयाक सलमानी ने कसीदा खानी की । सैय्यद असलम नकवी ने महफिल की निजामत किया । मस्जिद के मुतवल्ली,समाजसेवी शेख अली मंजर डेजी ने इस मौके पर कौम व देश की अमनो खुशहाली के लिए दुआ की। महफिल में डाक्टर हाशिम खां, सैय्यद मेराज हैदर, तहसीन अब्बास सोनी, नासिर रजा गुड्डू ,मिर्जा कौसर, अहमद केयर टेकर इत्यादि मौजूद थे।

विवि में पुनः 6 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को समय पर पूरा करने और छात्र हित को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह के आदेशानुसार, विश्वविद्यालय में पूर्व की व्यवस्था को बहाल करते हुए 06 दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल प्रभाव से पुनः लागू कर दिया गया है। कुलसचिव के द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब विश्वविद्यालय के शिक्षण कार्य और कार्यालय प्रातः 10 बजे से चलेंगे। इसके साथ ही कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए भोजन मध्यावकाश का समय अपराह्न 1:30 बजे से 2 बजे तक निर्धारित किया गया है।

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

भारत–चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे–धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई।भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य–द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह–अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क–बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश–मानसरोवर यात्रा और सीमा–पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है। अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है–मजबूत सुरक्षा–व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू–कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है–जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान

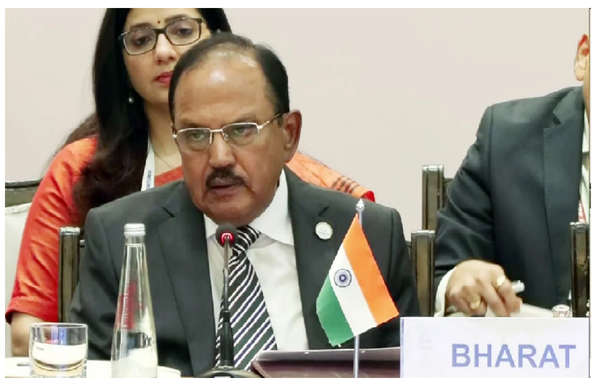

करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। भारत–चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे–धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत–चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश–मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश–मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12–13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत–चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए। डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है–भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत–चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास–निर्माता और सुरक्षा–आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी।

सम्पादकीय

बाहर के व्यक्तिको चेयरमैन

टाटा परिवार आम चलन को तोड़ कर बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन बनाने की उदारता तो दिखाता है, लेकिन उसे स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने देता। यानी वह मालिक होने की पारंपरिक मानसिकता से उबर नहीं पाता।

एन. चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद छोड़ने से टाटा ग्रुप में जारी विवाद पर विराम जरूर लग गया है, लेकिन यह प्रकरण इस कंपनी समूह की संचालन प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न छोड़ गया है। चंद्रशेखरन इस सदी में टाटा परिवार के बाहर से आए टाटा संस के दूसरे चेयरमैन थे। ऐसे अन्य चेयरमैन साइरस मिस्त्री को विवादों के कारण उनके पद से हटा दिया गया था। उस घटनाक्रम को चंद्रशेखरन मामले से जोड़ कर देखें, तो प्रश्न उठता है कि क्या टाटा परिवार से बाहर से आए अधिकारियों से यह ग्रुप अलग अपेक्षाएं रखता है? क्या यह मान्यता है कि ऐसे व्यक्ति भले सबसे ऊंचे पद पर हों, लेकिन वे निर्णय टाटा परिवार के मनमाफिक ही लें? समझा जाता है कि एयर इंडिया के प्रबंधन, टाटा समूह के डिजिटल एवं ई–कॉमर्स उद्यमों से संबंधित नीति, साइबर सुरक्षा उपायों, और जैगुआरः लैंड रोवर परियोजनाओं के संचालन पर टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के साथ चंद्रशेखरन के मतभेद गहराए, जिससे नोएल ने उनकी दोबारा नियुक्ति का प्रस्ताव रोक दिया।

इसके पहले मिस्त्री ने कंपनी की कई परियोजनाओं को लेकर दीर्घकालिक नजरिया अपनाया, जिससे फौरी घाटे को वे नजरअंदाज कर रहे थे। समझा जाता है कि इससे रतन टाटा नाराज हो गए, जिसके परिणामस्वरूप 2016 में मिस्त्री को उनके पद से हटा दिया गया। लगभग वैसी ही घटना चंद्रशेखरन के साथ दोहराई गई है, हालांकि औपचारिक तौर पर उन्होंने नए कार्यकाल के लिए खुद के उपलब्ध ना होने की घोषणा की है। बहरहाल, यह गौरतलब है कि टाटा संस के निदेशक मंडल का बहुमत उन्हें एक और कार्यकाल देने के पक्ष में था, जिसे एक तरह से नोएल टाटा ने वीटो कर दिया। इस बात का परोक्ष उल्लेख चंद्रशेखरन ने अपने त्यागपत्र में भी किया है। तो कुल सूरत यह उभरती है कि टाटा परिवार भारत के आम चलन को तोड़ कर अपने से बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन जैसा पद देने की उदारता तो दिखाता है, लेकिन उसे स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने देता। यानी वह मालिक होने की पारंपरिक मानसिकता से उबर नहीं पाता। नतीजतन, चेयरमैन के स्वतंत्र निर्णय टकराव का कारण बन जाते हैं।

राजधर्म में से धर्म निकल गया बचा सिर्फ राज

भारतीय जनता पार्टी अपने को पार्टी विद डिफरेंस कहती थी। पहले उसकी वेबसाइट खोलने पर यह लाइन लिखी होती थी। अब इस लाइन को भी हटा दिया गया है। अब वेबसाइट खोलने पर पहले पेज पर लिखा होता है, वेलकम टू द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट पोलिटिकल पार्टी। याद करें 1980 में भाजपा को क्या बनाया गया था। छह अप्रैल 1980 को पार्टी की स्थापना के दिन तब के बॉम्बे में पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा था, श्हम संघ के संस्कारों से निकले स्वंयसेवक हैं और हमारी पार्टी कोई दुकान नहीं है, जिसमें कोई भी बेधड़क चला आए। जो व्यक्ति संघ की शाखाओं से निकला हो और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को अपना मूल मंत्र मानता हो, वही हमारी पार्टी में रह सकता है। भाजपा पार्टी नहीं एक विचार है इसलिए इसके दरवाजे सबके लिए नहीं खुल सकते। आज हमने जिस भारतीय जनता पार्टी को जन्म दिया है, इस पार्टी के सभी नेता अपने चाल, चेहरे और चरित्र से पहचाने जाएंगे। अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण का यह अंश क्या अर्थ लिए हुए है? साफ है 1980 में जो भाजपा बनी थी वह जिस विचार, संकल्प पर बनी थी, उसका आज की, 2026 की भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। वाजपेयी और दीनदयाल उपाध्याय की चर्चा जरूर होती है लेकिन उनके विचारों का सम्मान नहीं होता है। अगर भाजपा पदाधिकारियों की नई टीम को ही देखें तो दिखाई देगा कि कितने ही लोग, जिनका संघ या भाजपा की विचारधारा से कोई संबंध नहीं है और एक समय भाजपा व संघ के विरोधी रहे हैं वे बड़े बड़े पदों पर हैं। उपाध्यक्षों में कम से कम तीन नेता ऐसे हैं, जो पहले भाजपा विरोधी पार्टियों में रहे हैं। बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी और मनप्रीत सिंह बादल दूसरी पार्टियों से आए हैं। सचिवों में संदीप पाठक, अनिल एंटनी और रोहन गुप्ता दूसरी पार्टियों से आए हैं।ऐसा नहीं है कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने की होड़ में भाजपा सिर्फ बाहरी नेताओं को संगठन में भर रही है। वह ऐसे नेताओं को भी अपनी सरकार और संगठन का हिस्सा बना रही है, जिनके ऊपर खुद भाजपा के नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए थे। जिन नेताओं के ऊपर भाजपा ने भ्रष्टाचार और देशद्रोह तक के आरोप लगाए थे उनको भी पार्टी में लेने या उनसे भी गठजोड़ करने में मोदी–शाह की भाजपा ने संकोच नहीं किया। भाजपा के नेता मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती पर आतंकवादियों से मिले होने के आरोप लगाते थे। लेकिन दोनों को समर्थन देकर भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया।

भारत के हाथ आया जवलिन हथियार, अब दुश्मनों के टैंकों की खैर नहीं! अमेरिका से हुआ बड़ा रक्षा सौदा

भारत के लिए यह जरूरत अचानक पैदा नहीं हुई है। भारतीय सेना करीब 2009 से ही आधुनिक तीसरी पीढ़ी की ंदजप–जंदा हनपकमक उपेपसम प्रणाली की तलाश में रही है। जरूरत ऐसी मिसाइल की थी जो हल्की हो, सटीक हो और पितम–ंदक–वितहमज क्षमता से लैस हो, ताकि पुरानी ूपतम–हनपकमक प्रणालियों की सीमाओं से बाहर निकला जा सके। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग अब सिर्फ हथियार खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। भारतीय सेना द्वारा अमेरिकी श्रंअ. मसपद एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम की खरीद के लिए स्मज. जमत व िर्वमित ंदक ।बबमच. जंदबम (स्व्।) पर हस्ताक्षर इस बदलते रिश्ते का एक महत्वपूर्ण संकेत है। अमेरिकी दूतावास ने इसे भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी को अधिक गहरा, सक्षम और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाने वाला कदम बताया है। खास बात यह है कि इस समझौते के साथ भविष्य में दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सह–उत्पादन यानी बव–चतवकनबजपवद की संभावनाओं का रास्ता भी खुला है।श्रंअमसपद की खासियत केवल यह नहीं है कि वह एक आधुनिक एंटी–टैंक मिसाइल है। यह एक उ ंद – च व त ज ंइ स म, पितम–ंदक–वितहमज प्रणाली है, यानी सैनिक मिसाइल दागने के बाद लक्ष्य पर लगातार नजर बनाए रखने के लिए उसी स्थान पर मौजूद रहने को मजबूर नहीं होता। यही क्षमता युद्धक्षेत्र में सैनिकों की ेनतअपअंइपसपजल बढ़ाती है। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक श्रंअमसपद भारी बख्तरबंद वाहनों के अलावा कई दूसरे इंजजसमपिमसक जंतहमजे को भी निशाना बना सकती है और अलग–अलग भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल की जा सकती है। तेज मदहंहमउमदज और उसके बाद तुरंत चवेपजपवद बदलने की क्षमता इसे पदिंदि. जतल के लिए खास तौर पर उपयोगी बनाती है।इसे भी पढ़ेंरू ैंनतलं च्जीरू ज्ञपतंदं भ्पससे और ांतकन को लेकर पूर्व ब्वै ।दपस बैंनींद के खुलासों से चौंकी दुनिया, चंपेजंद बात करना चाह रहा था,

मगर प्दकपं...भारत के लिए यह जरूरत अचानक पैदा नहीं हुई है। भारतीय सेना करीब 2009 से ही आधुनिक तीसरी पीढ़ी की ंदजप–जंदा हनपकमक उपेपसम प्रणाली की तलाश में रही है। जरूरत ऐसी मिसाइल की थी जो हल्की हो, सटीक हो और पितम–ंदक–वितहमज क्षमता से लैस हो, ताकि पुरानी ूपतम–हनपकमक प्रणालियों की सीमाओं से बाहर निकला जा सके। लेकिन तकनीक हस्तांतरण, लागत, खरीद प्रक्रिया और बाद में स्वदेशी विकास पर जोर जैसी वजहों से आधुनिक ।ज्ळड की तलाश लंबे समय तक खिंचती रही।यही वजह है कि श्रंअमसपद का मौजूदा सौदा केवल एक और विदेशी हथियार खरीद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारतीय सेना की तत्काल वचमतंजपवदंस जरूरत और दीर्घकालिक रक्षा औद्योगिक रणनीति के बीच एक पुल बन सकता है। अमेरिकी दूतावास ने साफ तौर पर कहा है कि स्व। पर हस्ताक्षर के बाद भारत श्रंअमसपद ेलेजमउ का ग्राहक बन गया है और यह समझौता दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए दरवाजा खोलता है। यानी असली रणनीतिक महत्व मिसाइलों की संख्या से कहीं आगे है।

भारत - रूस चुनौतियां व संभावनाओं का संसार

आम भारतीय जनमानस से जब – कभी भारत के विश्वस्त वैश्विक मित्र का प्रश्न किया जाए तो सबसे पहला नाम रूस का ही आता है इसके अनेक ऐतिहासिक व सामरिक उदाहरण भी रहे हैं जहां दोनों राष्ट्रों ने संकट के समय अद्वितीय कूटनीतिक एवं रणनीतिक साझेदारी का परिचय देकर विश्व राजनीति को अपने पक्ष में किया है परंतु हाल के दिनों में अमेरिकी दबाव, युद्ध परिस्थितियों व व्यापार असंतुलन के इस दौर ने दोनों पक्षों को दीर्घकालिक लक्ष्यों पर पुनर्विचार करने हेतु प्रेरित किया है ऐसे में भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर कि रूस यात्रा ने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं

यूं तो भारत रूस मैत्रीपूर्ण संबंधों का इतिहास स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों तक जाता है परंतु स्वतंत्र भारत ने 1947 से ही दो ध्रुवीय विश्व में जिस सावधानी से रूस के समाजवादी स्वरूप को भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं में मिलाया वह अभूतपूर्व था ।पंडित नेहरू की नीतियों चाहे वे पंचवर्षीय योजनाएं रही हो या फिर भारी उद्योगों का विकास सभी में रूस के सकारात्मक सहयोग की स्पष्ट छाप दिखती रही । दूसरी और रूस ने भी कश्मीर मुद्दे पर जिस प्रकार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दृढ़ता से भारतीय हितों को संरक्षण दिया उसने भी दोस्ती की बुनियादों को मजबूती देने का कार्य किया बाद में 1971 में भारत–पाकिस्तान युद्ध और भारत सोवियत शांति मैत्री व सहयोग संधि ने व्यापार ,आर्थिक , वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग की नई इबारत को पहचान दी। हालांकि 1991 में सोवियत रूस के विघटन ने विश्व को एक ध्रुवीय बना दिया जिसने दोनों राष्ट्रों के मध्य विकास व सहयोग की रफ्तार को धीमा किया परंतु अटल बिहारी सरकार में 2000 में हुई रणनीतिक साझेदारी व मनमोहन सरकार द्वारा 2010 में हुई विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की घोषणा के साझा प्रयासों ने दिल्ली मास्को संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान की । जिसे 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली पूर्ण बहुमत सरकार में 2014 से 2024 के मध्य मिली अभूतपूर्व गति ने नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य किया।

जहां एक और रक्षा क्षेत्र में एस – 400 ने वायु रक्षा प्रणाली को मजबूती दी साथ ही ब्रह्मोस मिसाइल सहयोग व कामोव हेलीकॉप्टर ने मेक इन इंडिया के अनुरूप रक्षा उत्पादन व तकनीक हस्तांतरण पर जोर दिया । वहीं गगनयान मिशन में रूस के सहयोग ने भारत के इसरो व रॉसकॉस्मोस की संयुक्त उपलब्धियां को एक नवीन शिखर प्रदान किया। यही कारण थे कि वर्ष 2014 में जहां दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर तक था वह आज 60 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसे वर्ष 2030 तक 100 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है ।

यह सभी तथ्य स्पष्ट करते हैं कि पिछले एक दशक में दोनों देशों के मध्य रक्षा, व्यापार ,तकनीक व सांस्कृतिक स्तर पर सहयोग को नवीन प्रगाड़ता मिली है। परंतु वर्तमान परिदृश्य में दोनों राष्ट्रों के सम्मुख कई चुनौतियां भी विद्यमान है । संयुक्त राज्य अमेरिका की टैरिफ नीति ने एक और जहां दोनों राष्ट्रों की व्यापार को संकुचित तो किया ही है ,साथ ही एशिया में ईरान व यूरोप में यूक्रेन युद्ध ने भी इसे नुकसान पहुंचाया है। इस पर संयुक्त राज्य अमेरिका की डॉलर को वैश्विक व्यापार के लिए थोपने की नीति ने भी रूस के निवेश को हतोत्साहित किया है । दूसरी ओर भारत भी जहाँ एक ओर कच्चा तेल, उर्वरक व कोयले के आयात हेतु रूस पर पूर्णतः निर्भर तो है साथ ही लगातार हो रहे व्यापार घाटे से चिंतित भी। क्योंकि आज भी 60 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार में भारत का आयात 55 अरब डॉलर व निर्यात मात्र 5 अरब डॉलर तक सीमित है।

इन परिस्थितियों में भारतीय विदेश मंत्री का भारत रूस अंतर सरकारी आयोग की बैठक में भाग लेना , राष्ट्रपति पुतिन से मिलना ओर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना समय की जरूरत भी बन गया है गौरतलब है कि इसी वर्ष 12 –13 सितंबर में भारत को नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी भी करनी है जिसमें डिजिटल करेंसी जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत व रूस के रुख का सभी पक्षकारों को इंतजार है। ऐसे में यह दर्शनीय होगा कि नवीन वैश्विक चुनौतियां को सुलझाने में भारतीय विदेश मंत्री की रूस यात्रा कितनी सफल रही । जिसकी पहली झलक ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता पर भी तय करेगी।

लेखक – रमन कृष्ण किमोठी
सहायक निदेशक (इंटरनेशनल स्टूडेंट ग्लोबल रिलेशन)
रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय

आज का राशिफल

मेष राशि
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप सबसे पहले पेंडिंग कार्यों को पूरा करेंगें , जिससे आपको अन्य कार्यों के लिए भी समय मिल सके।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज व्यापारिक दृष्टि से आपका दिन सही रहेगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बने रहेंगे।

मिथुन राशि
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के चांसेस हैं

कर्क राशि
आज आपका दिन मिली–जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगें , जिनका लाभ उठाकर आप आगे बढ़ सकते हैं।

सिंह राशि
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी और आपको अच्छा धान लाभ भी होगा।

कन्या राशि
आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके बिगड़े काम बनेंगे और आपको नए कार्यों में भी सफलता मिलेगी। आज कोर्ट–कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज कार्यस्थल पर आपकी मुलाकात नए व्यक्तियों से होगी

वृश्चिक राशि
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज किसी काम में आपको मन मुताबिक परिणाम हासिल होंगें।

धनु राशि
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप दूसरों से हटकर कुछ अलग करने का प्रयास करेंगे

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए मिली–जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप अपने व्यापार में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने से पहले मार्केट का एनालिसिस जरूर करें।

कुंभ राशि
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपने पुराने कामों में आगे बढ़ते हुए

मीन राशि
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप रियल स्टेट में निवेश करने का मन बनायेंगे और किसी बड़े ग्रुप के साथ जुड़कर काम करेंगे। आज आप बच्चों के भविष्य को लेकर कोई योजना बनाएंगे

हरित खाद से स्वच्छता, आजीविका और टिकाऊ खेती की ओर बढ़ता

आजमगढ़, (आर एन एस)किसी भी सरकार की सफलता उसकी नीयत, नीति और उससे निकलने वाले परिणामों से आंकी जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूर्वांचल के गांवों में हो रहा सकारात्मक बदलाव इसी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। महिलाएं अब केवल परिवार की आर्थिक गतिविधियों में सहयोगी की भूमिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृषि, पशुपालन, प्रसंस्करण, विपणन और अन्य आजीविका गतिविधियों में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं।जनपद आजमगढ़ में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के सतत मार्गदर्शन, निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विगत तीन माह में सोशल मोबिलाइजेशन अभियान चलाकर लगभग 6,000 नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर एक लाख महिलाओं को समूहों से जोड़ा गया है, जिसके फलस्वरूप आजमगढ़ प्रदेश में तीसरे स्थान पर है।जिलाधिकारी ने बताया कि आजीविका मिशन का मूल उद्देश्य ग्रामीण निर्धन परिवारों की महिलाओं को संगठित कर मजबूत एवं स्थायी संस्थाएं तैयार करना तथा उन्हें विभिन्न आजीविका अवसरों से जोड़कर गरीबी को कम करना है। ग्रामीण निर्धन परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित कर सामान्यतः कम से कम 10 सदस्यों का समूह गठित किया जाता है। समूह गठन के बाद सदस्यों को आर्थिक गतिविधियों के लिए विभिन्न चरणों में वित्तीय सहायता एवं बैंक क्रेडिट लिंकेज की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। समूह गठन के बाद समूह स्टार्टअप फण्ड के रूप में 2500 रू0, समूह गठन के तीन माह के बाद रिवाल्विंग फंड के रूप में 30 हजार रू0, समूह गठन के 6 माह पश्चात् कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड 1.5 लाख रू0 की धनराशि, कृषि आजीविका कार्य हेतु लाइवलीहुड फंड के रूप में 2 लाख रू0 की धनराशि प्रदान की जाती है। समूहों को 6 माह बाद वित्तीय समावेशन बैंक द्वारा क्रेडिट लिंकेज कराकर प्रथम डोज के रूप में 1.5 लाख रू0 की धनराशि समूहों को ऋण के रूप में उपलब्ध करायी जाती है।इसी क्रम में जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में विकास खंड सठियांव की ग्राम पंचायत कस्बा सराय में माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह द्वारा कृषि एवं पशु अपशिष्ट का बेहतर उपयोग करते हुए हरित खाद तैयार करने की अभिनव पहल की जा रही है। यह पहल एक ओर गांवों में अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी ओर किसानों को उपयोगी खाद उपलब्ध कराने के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत भी बन रही है।कृषि एवं पशु अपशिष्ट से तैयार हो रही हरित खाद

माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर हरित खाद तैयार की जा रही है। समूह द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मुख्य रूप से गन्ने की राख एवं 30 दिन पुराने गोबर का उपयोग किया जाता है। तैयार मिश्रण में 50 प्रतिशत गन्ने की राख तथा 50 प्रतिशत पुराने गोबर को मिलाया जाता है। इसके साथ 50 किलोग्राम यूरिया एवं 50 किलोग्राम डीएपी का मिश्रण किया जाता है। सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर उचित नमी बनाए रखते हुए लगभग 30 दिनों तक अवायवीय अवस्था में रखा जाता है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 21वें दिन बेड में एक प्रतिशत वेस्ट डिकंपोजर मिलाकर उसे पुनः अच्छी तरह बंद कर दिया जाता है। इस अवधि में सामग्री का अपघटन एवं रूपांतरण होता है और निर्धारित प्रक्रिया के बाद हरित खाद तैयार होती है।कम लागत में तैयार खाद से समूह को हो रहा लाभ

समूह द्वारा तैयार हरित खाद को स्थानीय किसानों, एफपीओ एवं नर्सरियों के माध्यम से 10 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक्री की जा रही है। समूह के अनुसार हरित खाद तैयार करने में लगभग 4.60 रुपये प्रति किलोग्राम की लागत आती है। इस प्रकार प्रति किलोग्राम लगभग 5.40 रुपये का शुद्ध लाभ समूह को प्राप्त हो रहा है। यह पहल स्थानीय संसाधनों को आर्थिक गतिविधि में परिवर्तित करने का उदाहरण है। इससे जहां कृषि एवं पशु अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं उपयोगी प्रबंधन संभव हो रहा है, वहीं समूह की महिलाओं को गांव में ही रोजगार और अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है।उत्पादन से लेकर विपणन तक महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

हरित खाद तैयार करने की पूरी प्रक्रिया में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है। महिलाएं कच्चे माल की व्यवस्था करने, निर्धारित अनुपात में मिश्रण तैयार करने, नमी का प्रबंधन करने, खाद की नियमित देखरेख करने तथा तैयार उत्पाद को उपयोग एवं बिक्री के लिए तैयार करने का कार्य कर रही हैं। इससे महिलाओं में कार्यकुशलता और आत्मविश्वास बढ़ने के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार की संभावनाएं भी मजबूत हो रही हैं। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं सामूहिक रूप से निर्णय लेने, उत्पादन करने और बाजार तक उत्पाद पहुंचाने का अनुभव प्राप्त कर रही हैं। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संगम

माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह की यह पहल केवल खाद उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को एक साथ जोड़ती है। कृषि एवं पशु अपशिष्ट को अनुपयोगी समझने के बजाय उसे उपयोगी उत्पाद में परिवर्तित कर समूह ने यह संदेश दिया है कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। साथ ही, किसानों को स्थानीय स्तर पर उपयोगी खाद उपलब्ध होने से कृषि गतिविधियों को भी मजबूती मिल रही है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा कृषि एवं पशु अपशिष्ट से हरित खाद का उत्पादन कृषि विविधीकरण और स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं।

माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह का उद्देश्य हरित खाद के उत्पादन को और अधिक व्यवस्थित एवं व्यापक बनाना है, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचाया जा सके। समूह द्वारा भविष्य में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं बाजार व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे समूह की महिलाओं की आय में और वृद्धि होने की संभावना है।उपायुक्त स्वतः रोजगार डॉ. आराधना त्रिपाठी ने बताया कि माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह की सफलता से गांव की अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। यह पहल इस बात का उदाहरण है कि सही दिशा, सामूहिक प्रयास और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ सीमित संसाधनों से भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत की सोच को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में प्रभावी कार्य कर रहा है। समूह की यह पहल बताती है कि छोटे–छोटे स्थानीय नवाचार भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं।माँ परम ज्योति स्वयं सहायता समूह की यह कहानी केवल एक समूह की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के बदलते आत्मविश्वास, स्वावलंबन और नेतृत्व की कहानी है।

आकाशी बिजली गिरने से महिला की मौत,सात महिलाएं झुलसी

आजमगढ़ (आरएनएस) बरदह थाना क्षेत्र के लसड़ा कला गांव में गुरुवार दोपहर धान के खेत में मजदूरी कर रहीं आठ महिलाएं अचानक आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। हादसे में 42 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि सात अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कराने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए आजमगढ़ और जौनपुर के हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया कि लसड़ा कला गांव की आठ महिलाएं गुरुवार को गांव में ही धान के खेत में मजदूरी करने गई थीं। दोपहर करीब एक बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से सभी महिलाएं उसकी चपेट में आ गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद खेत में अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों ने आनन–फानन में सभी घायल महिलाओं को निजी साधनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुजानेवादा और मार्टिनगंज पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने नीतू पत्नी हरिकांत, उम्र करीब 42 वर्ष, को मृत घोषित कर दिया। वहीं अनीता पत्नी संतोष, रेनू पत्नी राजकुमार, राधिका पत्नी सहजू, सतना पुत्री राम भवन, तारा पत्नी जगदीश, सरिता पुत्री जगदीश और गीता पत्नी फूलचंद का प्राथमिक उपचार किया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने सभी को आजमगढ़ और जौनपुर के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। मृतका नीतू का परिवार मजदूरी कर अपना भरण–पोषण करता था। पति हरिकांत भी मजदूरी करते हैं। नीतू स्वयं मजदूरी कर अपने चार बच्चों का पालन–पोषण करती थीं। उनके तीन बेटे और एक बेटी ब्यूटी (12) है, जो कक्षा पांच की छात्रा है। मां की मौत की खबर से बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही मार्टिनगंज के उपजिलाधिकारी बलराम गुप्ता मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मृतका के परिजनों को शासन स्तर से नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही घायल महिलाओं के परिजनों को भी आवश्यक सहायता एवं मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मजदूर की मौत, घर में मचा कोहराम

आजमगढ़ (आरएनएस) जनपद के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के घियहां गांव में बुधवार शाम बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 42 वर्षीय मजदूर रामनाथ यादव की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में मातम छा गया। गुरुवार को दिल्ली में रह रहे स्वजन के गांव पहुंचने पर घर में चीख–पुकार मच गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घियहां गांव निवासी रामनाथ यादव (42) पुत्र केदार यादव बुधवार शाम करीब पांच बजे खेत में खाद डालने के बाद घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि खेत के पास शौच के बाद पानी छूने के लिए वह गड्ढे के समीप पहुंचे थे। बारिश के कारण गड्ढे में काफी पानी भरा हुआ था। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह मुंह के बल गड्ढे में गिर गए और गहरे पानी में डूब गए। कुछ देर बाद उधर से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर गड्ढे में पड़े रामनाथ पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर फूलपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भतीजे संजय यादव पुत्र शोभनाथ यादव ने पुलिस को घटना के संबंध में लिखित तहरीर दी है। परिजनों के अनुसार, रामनाथ यादव के परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। परिवार के कुछ सदस्य और मृतक की बेटी दिल्ली में रहते हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद वे गुरुवार को गांव पहुंचे। स्वजन के पहुंचते ही घर में चीख–पुकार मच गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण क्षेत्र में कई स्थानों पर गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है।

दवा लेकर घर लौट रहे 32 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत

श्रावस्ती। दवा लेकर बाइक से घर लौट रहे 32 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा एनएच–730 हाईवे पर सिटकहना गांव के पास हुआ। बाइक सवार युवक खड़े ट्रक के पीछे जा घुसा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि गिलौला थाना क्षेत्र के तिलकपुर गांव निवासी विनोद दवा लेकर बाइक से वापस घर लौट रहा था। सिटकहना गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में उसकी बाइक पीछे से जा भिड़ी। हादसे में विनोद गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। लोगों ने एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद विनोद को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)कोतवाली थाना पुलिस ने दीवानी न्यायालय परिसर की पार्किंग से चोरी हुई मोटरसाइकिल के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शिवा मौर्या उर्फ मटेलू के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त को ग्राम उसूरकुढवा निवासी पिन्टू गोस्वामी अपने पिता के साथ मुकदमे की तारीख देखने दीवानी न्यायालय पहुंचे थे। उन्होंने अपनी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या न्च50 ।च 2264 को जजी मैदान की पार्किंग में खड़ा किया था। न्यायालय से लौटने पर मोटरसाइकिल गायब मिली।मामले में थाना कोतवाली में मु0अ0सं0 327ध्2026 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना और गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 27 अगस्त को करीब 11रू10 बजे रोडवेज बस अड्डे से शंकर तिराहा, थाना सिधारी निवासी शिवा मौर्या उर्फ मटेलू (20) को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध तमंचे और कारतूस के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)जहानागंज थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से .315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया।पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को चेकिंग के दौरान सूचना के आधार पर तरछा पुलिया के पास से बदायूं जनपद के आलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गभियाई निवासी राजेन्द्र उर्फ राजू (31) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से .315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिला।बरामदगी के आधार पर थाना जहानागंज में मु0अ0सं0 181ध्2026, धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।पुलिस के मुताबिक, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ जहानागंज थाने में चोरी और आर्म्स एक्ट से संबंधित पूर्व के मुकदमे दर्ज हैं।

लोहे के बाट से हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)अहरौला थाना पुलिस ने रास्ते में विवाद के दौरान मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 500 ग्राम का लोहे का बाट बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, 25 अगस्त को सूर्य प्रकाश शुक्ला निवासी ग्राम गोपरी चांदपुर, थाना जैतपुर, जनपद अम्बेडकरनगर, निजामपुर बाजार जा रहे थे। रास्ते में शराब पी रहे कुछ लोगों से वाहन का हार्न बजाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लात–मुक्कों से मारपीट की। इसी दौरान लोहे के भारी बाट से सिर पर वार कर उन्हें घायल कर दिया गया।मामले में थाना अहरौला में मु0अ0सं0 295ध्2026 दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। 27 अगस्त को उपनिरीक्षक यश सिंह पटेल, प्रभारी चौकी माहुल, ने पुलिसकर्मियों के साथ सूचना के आधार पर रुपाईपुर ढाला के पास से अजय यादव उर्फ मन्टू (निवासी मकदूमपुर) और अरुण यादव (निवासी तरकुलहा), दोनों थाना अहरौला क्षेत्र, को सुबह करीब 6रू15 बजे गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 500 ग्राम का लोहे का बाट बरामद किया। दोनों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)अहरौला थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, बाद में शादी से इनकार करने तथा गाली–गलौज और जान–माल की धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस के मुताबिक, 14 अगस्त को पीड़िता ने थाना अहरौला में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि चकबालाशाह निवासी अबू सहमा पुत्र मकसूद अहमद ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में शादी से इनकार करते हुए गाली–गलौज और जान–माल की धमकी दी गई। तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 274ध्2026 में धारा 69, 352, 351(3) बीएनएस तथा एससीध्एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत उपनिरीक्षक श्याम कुमार दुबे और कांस्टेबल वरुण कुमार ने 27 अगस्त को फुलवरिया अंडरपास से आरोपी अबू सहमा (25) को करीब 10रू45 बजे गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी बूढ़नपुर द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

मारपीट के मुकदमे में दो वांछित अभियुक्तगिरफ्तार, डंडा बरामद

आजमगढ़ (आर एन एस)फूलपुर थाना पुलिस ने मारपीट एवं जान से मारने की धमकी के मुकदमे में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को ग्राम कुशहाँ निवासी मो. तैय्यब के साथ गोबर बाहर फेंकने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि अबू हम्जा, अतिकुर्रहमान उर्फ अतीक और मो. उमर ने उनके साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने पर उनके पुत्र मो. सैफ मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर भी लाठी–डंडे से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। मामले में थाना फूलपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत उपनिरीक्षक सतेन्द्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ 27 अगस्त को इब्राहिमपुर मोड़ से मो. उमर (19) फूलपुर, को करीब 9:30 बजे गिरफ्तार किया।

आठ माह में ही उखड़ गई सीरिनिया मोड़-भचकाही सड़क, ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल

श्रावस्ती। सीरिनिया मोड़ से भचकाही गांव को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के महज आठ माह में ही जर्जर हो गई है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे और उखड़ी गिट्टियां राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से कराया गया था। सड़क बने अभी करीब आठ माह ही हुए हैं, लेकिन इसकी हालत देखकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि फरवरी माह में सड़क की मरम्मत भी कराई गई थी, लेकिन मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। कुछ ही समय बाद सड़क दोबारा उखड़ने लगी।सीरिनिया मोड़–भचकाही मार्ग क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह मार्ग तहसील व जिला मुख्यालय, ब्लॉक कार्यालय, थाना समेत अन्य प्रमुख स्थानों को जोड़ता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी और वाहन चालक इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। सड़क खराब होने से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान इसकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। ग्रामीण राजकुमार यादव, प्रताप नारायण, ईश्वरदीन चौधरी, बृजनाथ, भागीराम, हरिराम और दयाराम समेत अन्य लोगों ने प्रशासन से सड़क निर्माण और पूर्व में कराए गए मरम्मत कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार विभाग से जल्द से जल्द सड़क की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराने की भी मांग की है, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

छात्राओं ने एसएसबी जवानों को बांधा रक्षासूत्र, मनाया रक्षाबंधन पर्व

श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में रक्षाबंधन के अवसर पर भाई–बहन के प्रेम, विश्वास और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशानिर्देशन में हुआ। सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल, बहराइच से पहुंचे छात्र–छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने एसएसबी अधिकारियों और जवानों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा, मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इसके जवाब में वाहिनी की ओर से बच्चों को उपहार भेंट किए गए। कार्यवाहक कमांडेंट एवं द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर ने बच्चों को पर्व की बधाई देते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में अधिकारियों और जवानों ने छात्र–छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। इस आयोजन से सुरक्षा बल और समाज के बीच आपसी विश्वास व भाईचारा और मजबूत हुआ। इस दौरान गोबर्धन पुजारी, गौतम आजाद, अविनाश कुमार सहित अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

फतेहगंज ओवरब्रिज के नीचे बनेगा खेल पार्क, मिलेगी पार्किंग की सुविधा

अयोध्या। रामनगरी के विकास कार्यों की कड़ी में फतेहगंज जीआईसी ओवरब्रिज के नीचे खाली पड़ी जगह को अब पार्क और पार्किंग के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत यहां 2.61 करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण कार्य कराया जाएगा। परियोजना का शिलान्यास गुरुवार को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ वैदिक रीति–रिवाज से नारियल फोड़कर किया।

परियोजना के तहत ओवरब्रिज के नीचे पार्क, फुटपाथ और अन्य नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही वाहनों की पार्किंग के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। प्रस्तावित पार्किंग में करीब 100 कार और 152 बाइक खड़ी की जा सकेंगी। इससे आसपास के क्षेत्र में सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े होने वाले वाहनों की समस्या से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। परियोजना की खास बात यह होगी कि यहां बच्चों और युवाओं के लिए खेल सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। पार्क को मिनी स्टेडियम के स्वरूप में विकसित करते हुए क्रिकेट नेट प्रैक्टिस एरिया बनाया जाएगा। इससे शहर के बच्चों और उभरते खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर स्थान मिल सकेगा। पार्क में फुटपाथ समेत हरित क्षेत्र विकसित कर लोगों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की भी योजना है। शिलान्यास समारोह में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि नगर निगम शहर के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है। शहर में उपलब्ध संसाधनों और खाली स्थानों का बेहतर उपयोग कर नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम विकास कार्यों को लेकर 24 घंटे तत्पर है।

महापौर ने कहा कि शहर के अन्य फ्लाईओवरों के नीचे उपलब्ध स्थानों को भी इसी तरह विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। इन स्थानों का उपयोग पार्किंग के साथ–साथ बच्चों और युवाओं के लिए खेल गतिविधियों के केंद्र के रूप में किया जा सकता है। इससे एक ओर पार्किंग की समस्या कम होगी, वहीं दूसरी ओर लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि फतेहगंज ओवरब्रिज के नीचे विकसित होने वाला यह स्थान आसपास के लोगों के लिए बहुउद्देशीय सुविधा केंद्र के रूप में उपयोगी साबित होगा। सुंदरीकरण के बाद क्षेत्र की तस्वीर बदलने के साथ ही यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, उपसभापति संतोष सिंह, क्षेत्रीय पार्षद हरिश्चंद्र गुप्ता, वरिष्ठ पार्षद अनिल सिंह, विशाल पाल, चंदन सिंह, सूर्यकुमार तिवारी भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, नीलकमल अग्रवाल, मनमोहन जायसवाल, शिवकुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, दुर्गा केसरवानी, अनुभव जायसवाल, रामनंदन तिवारी, मुकेश अग्रहरि समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

7.60 करोड़ के आठ विकास कार्यो को मंजूरी, टेंडर प्रक्रिया शुरु

-पूराबाजार व नगर निगम क्षेत्र में बनेंगे संपर्क मार्ग, सड़क और नालियां

अयोध्या। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में सड़क एवं संपर्क मार्गों की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए करीब 7.60 करोड़ रुपये की लागत वाले आठ विकास कार्यों को मंजूरी मिल गई है। स्वीकृत कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। इन परियोजनाओं के तहत पूराबाजार, मसौधा और नगर निगम क्षेत्र के गांवों एवं वार्ड में संपर्क मार्ग का नवनिर्माण व अन्य के कार्य कराए जाएंगे। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में सड़क और संपर्क मार्गों को मजबूत करना प्राथमिकताओं में शामिल है। जिन क्षेत्रों में आवागमन की समस्या है, वहां आवश्यकता के अनुसार नए मार्गों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आठों कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया चल रही है। प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इन मार्गों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और गांवों का मुख्य मार्गों से संपर्क और मजबूत होगा। स्वीकृत कार्यों में रामपुर सधारी–मित्रसेनपुर में संपर्क मार्ग का 80 लाख रुपये की लागत व तिहुरा मांझा कुंजीगंज चौराहे से गोडियाना एबी बंधा तक 1.33 करोड़ रुपये की लागत से सड़क का नव निर्माण कराया जाएगा। इसी क्रम में रामवनगमन मार्ग के किलोमीटर नौ किमी से प्राथमिक विद्यालय होते हुए शिव मंदिर तक 1.31 करोड़ रुपये व दर्शननगर–भरतकुंड मार्ग पर शारदा सहायक नहर से मुरावन का पुरवा तक 78 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कराया जाएगा। मसौधा क्षेत्र की भदोखर ग्राम पंचायत में रामू का पुरवा पक्की सड़क से ईश्वरदीन इंटर कॉलेज ददेरा तक 1. 24 करोड़ रुपये की लागत से व नगर निगम क्षेत्र के कर्पूरी ठाकुर वार्ड में 64 लाख रुपये की लागत से सड़क व नाली निर्माण का कार्य भी स्वीकृत हुआ है। इसके अलावा 78 लाख रुपये की लागत से पिलखावां में सड़क निर्माण तथा कर्पूरी ठाकुर वार्ड में रामलाल मिश्र का पुरवा से प्रयागराज मार्ग तक 72 लाख रुपये की लागत से संपर्क मार्ग का नव निर्माण कराया जाएगा।

आरक्षण-यूजीसी के विरोध में अधिवक्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

मिल्कीपुर–अयोध्या। आरक्षण व्यवस्था एवं यूजीसी से जुड़े कानून के विरोध में गुरुवार को मिल्कीपुर तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने जोरदार धरना–प्रदर्शन किया। बार एसोसिएशन मिल्कीपुर के अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं के साथ क्षेत्रीय लोग भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने आर्थिक आधार पर आरक्षण व्यवस्था लागू किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को प्राथमिकता देने की मांग की। अधिवक्ताओं ने यूजीसी से संबंधित कानून को लेकर भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं और कहा कि उनकी मांगों पर केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर में धरना दिया।

विधिक जागरुकता शिविर में स्थायी लोक अदालत के बताए गए उद्देश्य

-लोक अदालत को सफल बनाने के लिए हुई तीसरे चरण की बैठक

चित्रकूट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के निर्देशन में अपर जिला जज एफटीसी नोडल अधिकारी लोक अदालत राममणि पाठक की अध्यक्षता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी की उपस्थिति में जनपद के प्रशासनिक विभागों में नियुक्त विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों की तृतीय चरण की बैठक सम्पन्न हुयी।

सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारण पर बल दिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में शमनीय आपराधिक वाद, धारा-138 एनआई एक्ट, मोटर एक्सीडेंट क्लेम वाद, श्रम वाद, बैंक वसूली वाद, विद्युत अधिनियम और जल वाद, सर्विस मैटर्स, पारिवारिक, वैवाहिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, राजस्व, चकबन्दी वाद, किरायेदारी वाद, सुखाधिकार वाद, स्थायी निषेधाज्ञा व सिविल वाद, मनी वसूली वाद, विनिर्दिष्ट अनुतोष वाद, मोटर वाहन ई-चालान, लघु आपराधिक वादों, श्रम वाद, प्री-लिटिगेशन के मामले से ऐसे वाद जो अभी न्यायालय के समक्ष नही आये हैं विशेषकर पारिवारिक मामले, उपभोगता फोरम तथा आर्बिट्रेशन सम्बन्धित वादों का निस्तारण किया जाना है।बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से यह अपेक्षा की गयी कि वे अपने विभागों से सम्बन्धित समस्त ऐसे मामले जिनको लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जा सके अधिक से अधिक चिन्हित कर उनमें पक्षकारों को कम से कम दो बार नोटिस तामीला कराते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित करने का प्रयास करें। इस मौके पर राजीव रंजन सिंह उप प्रभागीय वनाधिकारी, सुशील श्रीवास्तव लोक निर्माण विभाग, एसएम कश्यप अधिशाषी अभियन्ता विद्युत, सुरेन्द्र कुमार जिला सूचना अधिकारी, फरहत हुसैन अधीक्षण अभियन्ता जल संस्थान, निर्भय सिंह बाट माप विभाग उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सचिव ने गुरुवार को जनपद न्यायालय परिसर में स्थायी लोक अदालत के न्यायिक क्षेत्राधिकार एवं जनोपयोगी सेवाओं के संबंध में विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया। बताया गया कि स्थायी लोक अदालत का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 22-बी के अंतर्गत किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य बिजली, पानी, अस्पताल, परिवहन और बीमा जैसी जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों का मुकदमे से पहले सौहार्दपूर्ण समाधान करना है। स्थायी लोक अदालतें उपभोक्ता, सार्वजनिक सेवाओं, परिवहन और अन्य लोकहित संबंधी वादों के तेजी से समाधान के लिए स्थापित की गई संस्थाएं हैं। इनका मुख्य उद्देश्य वैकल्पिक विवाद निपटान को बढ़ावा देना और पारंपरिक न्यायालयों के बोझ को कम करना है।

आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए किया माकड्रिल

चित्रकूट। प्रयागराज मंडल द्वारा आपातकालीन एवं दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई, राहत एवं बचाव व्यवस्था की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से गुरुवार को मॉक ड्रिल किया। इस दौरान प्रयागराज-मानिकपुर खण्ड के कटैयाडंडी एवं डभौरा स्टेशनों के मध्य स्थित समपार फाटक संख्या पर एक काल्पनिक दुर्घटना की सूचना प्रसारित की गई। सूचना के अनुसार मालगाड़ी समपार फाटक पार कर रही यात्रियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से टक्कर हो गई तथा दुर्घटना में बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की आशंका व्यक्त की गई। मालगाड़ी के गार्ड एवं लोको पायलट द्वारा घटना की सूचना तत्काल कंट्रोल कार्यालय, प्रयागराज को दी गई। गंभीर आपातकालीन सूचना प्राप्त होते ही प्रयागराज मंडल एवं उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई। राहत एवं बचाव कार्यों की प्रक्रिया शुरू करते हुए प्रयागराज से दुर्घटना राहत चिकित्सा यान एवं दुर्घटना राहत गाड़ी को घटना स्थल के लिए तत्काल रवाना किया गया। मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल भी अपनी टीम के साथ दुर्घटना राहत चिकित्सा यान से घटना स्थल के लिए रवाना हुए। राहत दल के इरादतगंज पहुंचने पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि घटना वास्तविक दुर्घटना नही बल्कि मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में रेल प्रशासन की तैयारियों एवं त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करने के उद्देश्य से आयोजित मॉक ड्रिल थी। यह मॉक ड्रिल मालगाड़ी में मौजूद वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी उमेश चन्द्र शुक्ला की देखरेख में आयोजित की गई। मॉक ड्रिल होने की जानकारी प्राप्त होने पर अधिकारियों एवं राहत दल ने राहत की सांस ली। इस अभ्यास के माध्यम से दुर्घटना अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में सूचना तंत्र की प्रभावशीलता, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, राहत एवं बचाव दलों की त्वरित उपलब्धता तथा उपलब्ध संसाधनों की तत्परता का परीक्षण किया गया। इस प्रकार के नियमित मॉक ड्रिल एवं अभ्यास वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके माध्यम से रेल प्रशासन की आपदा प्रबंधन तैयारियों को परखा जाता है तथा आवश्यकता के अनुरूप व्यवस्थाओं में सुधार भी किया जाता है।

प्रधानाध्यापकों के क्षमता संवर्द्धन को दिया गया प्रशिक्षण

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर के प्रांगण में समग्र शिक्षा अभियान एवं निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों के लिए सक्षम मॉड्यूल आधारित तीन दिवसीय हेड मास्टर प्रशिक्षण एवं मेंटल वेलनेस कार्यक्रम का समापन गुरुवार को किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की प्रशासनिक, वित्तीय, शैक्षणिक एवं नेतृत्व क्षमताओं को सशक्त करना तथा उनके मानसिक स्वास्थ्य का संवर्द्धन करना रहा।

प्राचार्य डायट बीके शर्मा ने बताया कि विद्यालय का नेतृत्व करना एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षा के क्षेत्र में नित नए और सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। निपुण भारत मिशन पूर्व प्राथमिक शिक्षा और बाल वाटिका जैसे अभियानों के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा एक नए दौर से गुजर रही है। इन राष्ट्रीय लक्ष्यों को धरातल पर शत प्रतिशत उतारने और परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर बदलने की मुख्य जिम्मेदारी प्रधानाध्यापकों के कंधों पर है। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण विशेष रूप से इसी उद्देश्य से तैयार किया गया है कि हम अपनी प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय प्रबंधन, अंतर्विभागीय समन्वय, शैक्षणिक उत्तरदायित्वों और विद्यालय में समावेशी संस्कृति के विकास को और अधिक सुदृढ़ कर सकें। संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम डायट प्राचार्य बीके शर्मा, वरिष्ठ प्रवक्ता नीलम यादव तथा प्रवक्ता एवं प्रशिक्षण प्रभारी अखिलेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

खाद्य सुरक्षा टीम ने जांच को भेजे 19 सैम्पल

चित्रकूट। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त एवं डीएम के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त खाद्य शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर रक्षाबन्धन पर्व विशेष अभियान अन्तर्गत जनपद में खाद्य सुरक्षा विगाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर कुल 19 नमूने जाँच के लिए संग्रहित किए हैं। जिसमें पुरानी बाजार कर्वी, पटेल तिराहा कर्वी, बरगढ़, भौरी, मानिकपुर, खण्डेहा, मऊ, भगवानदीन चौराहा कर्वी, मिशन रोड कर्वी, ट्रॉफिक चौराहा, गाँधीगंज, तुलसी स्मारक के पास राजापुर के विभिन्न प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर सैम्पल एकत्र किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कोई भी आपत्तिजनक खाद्य सामग्री नहीं पायी गयी। कुछ कमियां मिलने पर सुधार करने के लिए खाद्य कारोबारकर्ता को नोटिस जारी किया गया।

प्रचुर मात्रा में प्राणवायु देते हैं हरिशंकरी वृक्ष : जगदीश प्रसाद गौतम

-हनुमान मंदिर सिघौली परिसर में किया गया पौधरोपण

चित्रकूट। पहाड़ी ब्लॉक के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर सिघौली परिसर में हरिशंकरी पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बरगद, पीपल और पाकड़ के पौधे त्रिकोण आकार में रोपित किए गए। कार्यक्रम में हरिशंकरी पौधरोपण के धार्मिक एवं पर्यावरणीय महत्व पर लोगों को जानकारी दी गई। समाजसेवी जगदीश प्रसाद गौतम ने बताया कि एक बड़े गड्ढे में तीन कटोरीनुमा गड्ढे बनाकर बरगद, पीपल और पाकड़ के पौधों को त्रिकोण आकार में लगाया जाता है। जिसे हरिशंकरी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि हरिशंकरी में तीन पवित्र वृक्षों का समावेश होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बरगद को ब्रह्मा, पीपल को भगवान विष्णु और पाकड़ को भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि जहां हरिशंकरी स्थापित होती है वहां त्रिदेवों का वास होता है उन्होंने कहा कि बरगद, पीपल और पाकड़ जैसे वृक्ष लंबे समय तक जीवित रहते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनकी जड़ें मिट्टी को मजबूत करने के साथ जल संरक्षण में भी सहायक मानी जाती हैं। हरिशंकरी पौधरोपण धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देता है। डॉ. संतोष मिश्रा ने कहा कि हरिशंकरी पौधरोपण मानव जीवन के लिए जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के साथ संपूर्ण ब्रह्मांड के लिए भी उपयोगी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। इस अवसर पर बलदाऊ मिश्रा, तीरथ पांडेय, सुनील पटेल, राजबाबू राजपूत, दिनेश राजपूत, विश्वनाथ राजपूत, पप्पू

एएसपी ने की लंबित विवेचनाओं की समीक्षा

चित्रकूट। अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकान्त राय ने क्षेत्राधिकारी राजापुर यामीन अहमद की उपस्थिति में सर्किल राजापुर के समस्त थानों के विवेचकों का अर्दली रुम किया। बताया गया कि लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। साक्ष्य ऐप से अधिकाधिक जेनरेट कर लिंक करें। नोटिसों का समयबद्ध तामीला किया जाए। प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही, चोरी, नकबजनी, टप्पेबाजी की घटनाओं का अनावरण व प्रभावी रोकथाम, महिला, दलित उत्पीड़न संबंधी अपराधों में प्रभावी व समयबद्ध कार्यवाही, न्यायालय में दाखिला के संबंध में निर्देश दिए। कहा कि फरियादियों के साथ मृदुल व्यवहार करें। उनकी समस्या को सुनने के लिए पर्याप्त समय दें। तदनुरूप आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लाते हुए समुचित निस्तारण किया जाए।

बाल संरक्षण के मामलो में न बरती जाए लापरवाही : डीएम

-जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की हुई बैठक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक कैंप सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बाल संरक्षण, गुमशुदा बच्चों, बाल विवाह की रोकथाम तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने गुमशुदा बच्चों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि गुमशुदगी के कुल नौ प्रकरण प्राप्त हुए थे। जिनका निस्तारण करा दिया गया है। डीएम ने निर्देश दिए कि चाइल्ड हेल्पलाइन एवं वन स्टॉप सेंटर से संबंधित प्रकरणों के लिए अलग-अलग संख्या तथा निस्तारण के लिए पृथक-पृथक कॉलम तैयार कर अभिलेखों को व्यवस्थित रखा जाए। बाल विवाह की रोकथाम की समीक्षा के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि अप्रैल से जुलाई तक बाल विवाह के 15 प्रकरण सामने आए हैं। जिनमें एक प्रकरण में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत इटौरा में बाल विवाह के प्रकरण अधिक पाए जा रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इटौरा में बाल विवाह के अधिक प्रकरण होने के कारणों की जांच कर पुलिस विभाग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अलग-अलग रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। डीएम ने ग्राम पंचायत इटौरा में विशेष टीम भेजकर यह भी पता लगाने के निर्देश दिए कि कितनी बालिकाएं ऐसी हैं जिनके विवाह की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रभावी निगरानी एवं जन जागरूकता आवश्यक है। इसके लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं बालिकाओं की शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक कुल 18,522 बालिकाओं को योजना का लाभ दिया गया है। डीएम ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत जिले में कितनी बालिकाओं का जन्म हुआ है तथा उनमें से कितनी बालिकाओं के जन्म प्रमाण पत्र बनाए जा चुके हैं। इसकी सूची तैयार कर प्रस्तुत की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की भी समीक्षा की गई। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत 48 लाभार्थियों, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अंतर्गत 707 लाभार्थियों तथा स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत 50 लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया जा रहा है। कहा कि बाल संरक्षण से संबंधित मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बाल अधिकारों की रक्षा, बाल विवाह की रोकथाम तथा जरूरतमंद बच्चों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सभी संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

युवती ने फंदा लगा जान देने का किया प्रयास

चित्रकूट। बांदा के फतेहगंज कंधारा निवासी युवती ने उसकी पसंद के युवक से शादी की बात न किए जाने से क्षुब्ध होकर घर में फंदा लगाकर जान देने का प्रयास किया। उसकी छोटी बहन ने समय से कमरे में पहुंचकर पड़ोसियों को बुलाकर उसे बचा लिया। कंधारा गांव निवासी केशकली ने बताया कि बुधवार को वह प्राइवेट संस्था में काम करने चली गई थी। घर में 18 वर्षीय पुत्री प्रीती देवी और दो छोटी बहनें थीं। शाम को उसकी बीएससी प्रथम वर्ष में पढ़ने वाली पुत्री प्रीती ने कमरे में जाकर पंखे से साड़ी का फंदा फंसाकर गले में फांसी लगाने का प्रयास किया। इसी बीच छोटी बेटी रेशमा पहुंची और नजारा देख रोने लगी। चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुला लिया। सभी ने आकर प्रीती को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल चित्रकूट में भर्ती कराया। डाक्टरों ने उसे बांदा रेफर कर दिया था। गुरुवार को उसकी मां ने बताया कि अब प्रीती की हालत सामान्य है और घर में है। उसकी शादी की बात पिता कई जगह कर रहे हैं। प्रीती अपने पसंद के एक युवक से शादी करने की बात घर में कह चुकी है लेकिन उसके पिता के तैयार न होने पर नाराज होकर उसने यह कदम उठाया था।

निजी डाटा मांगें जाने का विरोध करते हुए भाकपा (माले) ने जताया विरोध, जुलूस निकाल किया प्रदर्शन

मीरजापुर। पुलिस प्रशासन द्वारा निजी डाटा कलेक्ट किए जाने का विरोध करते हुए भाकपा (माले) ने खुला विरोध करते हुए इसे निजता का हनन बताया है। गुरुवार को भाकपा माले उत्तर प्रदेश, जिला इकाई मिर्जापुर के तत्वावधान में भाकपा (माले) कार्यकर्ताओं ने रामबाग से विरोध जुलूस निकाला जो अस्पताल रोड, कचहरी होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना प्रदर्शन में परिवर्तित हो गया। इस दौरान कामरेड अमरेश चन्द्र भारतीय ने जिले के कोने कोने से एकत्र हुए आदिवासी, वनवासी, गरीब दलित वंचित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा भाकपा माले कार्यकर्ताओं को उनका डेटा एकत्र करने के साथ मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। पूंजिपतियों की हिमायती सरकार के इशारे पर आदिवासी वनवासी समाज की लड़ाई लड़ने वाले लोगों को परेशान करने का नया तरीका इजाद किया गया है। दुनियां के मजदूरों एक हो का आह्वान करते हुए कहा उत्तर प्रदेश को पुलिस राज के बाद षणिगरानी राज(सर्विसेस स्टेट) बनाने की साजिश प्रशासन द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं से निजी डाटा कलेक्ट करने के खिलाफ निजता रक्षा कानून की रक्षा के लिए जिला मुख्यालय चलों अभियान के तहत धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंप विरोध जताया। वक्ताओं ने कहा निजी डाटा कलेक्ट करने के नाम पर परेशान किया जा रहा है। जन आंदोलनों को कुचलने के लिए सरकार का यह फंडा है, जिसका हम सभी विरोध करते हैं। कामरेड जीरा भारती ने कहा सरकार के इशारे पर गरीब, दलित समाज के लोगों पर फर्जी मुकदमे लादे जा रहे हैं। वर्षों से जंगलों में रहते हुए आएं आदिवासी वनवासी मुसहर समाज के लोगों को बेघर किया जा रहा है। वन विभाग के तुगलकी फरमान से आदिवासी समाज का बुराहाल हो उठा है। एक तरफ जहां पूंजिपतियों को जंगल सौंप दिए जा रहे हैं तो दूसरी ओर वनों जंगलों की सुरक्षा करते हुए आएं वनवासी आदिवासी लोगों को उजाड़ा जा रहा है। सरकार की यह दोहरी चाल घातक है। अंत में वक्ताओं ने निजी डाटा मांगें जाने का पुरजोर विरोध करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए तत्काल इस पर रोक लगाने की मांग की।

पुलिस का बड़ा एक्शन, बाइक चोरी कांड का खुलासा कर 5 को किया गिरफ्तार, दो बाइक बराम

मड़िहानमीरजापुर। चार दिन पहले घर के बाहर से गायब हुई थी मोटरसाइकिल, पुलिस की घेराबंदी में चोरी का राज खुला। ग्राम पंचायत लालपुर के अतरौरा गांव में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने के बाद मायूस होकर उसकी तलाश में भटक रहे पीड़ित के लिए आखिरकार राहत की खबर आई। मड़िहान पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज के 24 घंटे के भीतर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक चोरी गई बाइक समेत एक अन्य बाइक भी बरामद किया गया है। जिस बाइक के अचानक गायब हो जाने से परिवार परेशान था, उसके वापस मिलने की उम्मीद अब जगी है। घटना मड़िहान थाना क्षेत्र के लालपुर नौढीहा के अतरौरा गांव की बताई गई है।पीड़ित राम समुझ सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह न्63 ट 3843 नंबर की मोटरसाइकिल के स्वामी है। 23 अगस्त 2026 को रोज की तरह काम निपटाकर घर पहुंचे और बाइक घर के बाहर गैरेज में खड़ी कर दी। रात में परिवार के लोगो के साथ खाना खाने के बाद सो गए। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि सुबह होते-होते उनकी जरूरत की सवारी पर चोर हाथ साफ कर चुके होंगे।सुबह नींद खुलने के बाद जब घर के बाहर नजर पड़ी तो बाइक अपनी जगह पर नहीं थी, पहले आसपास खोजबीन की गई। परिवार के लोगों से पूछा गया और परिचित स्थानों तक तलाश की गई, लेकिन मोटर साइकिल का कहीं पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बावजूद बाइक न मिलने पर चोरी की आशंका पुख्ता हुई और पीड़ित ने बुद्धवार को थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई।पीड़ित की तहरीर के आधार पर मड़िहान पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। चोरी गई बाइक की तलाश पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। इसी बीच संदिग्धों और वाहनों के संबंध में जानकारी जुटाते हुए पुलिस की जांच आगे बढ़ी। 27 अगस्त को पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी। चोरी के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी से संबंधित मोटरसाइकिल व अन्य बाइक नम्बरयू न्64 ठव 5385 भी पुलिस के कब्जे में आई, जिसके संबंध में जांच-पड़ताल की गई। पुलिस अभिलेख के अनुसार गिरफ्तार अंतर्जनपदीय आरोपियों में सोनभद्र जनपद के करमा थाना अंतर्गत सरंगा गांव निवासी अजीत पटेल, संदीप पटेल, विजय कुमार पटेल, पुरखास गेदरी गांव निवासी मनोज पटेल के साथ पांचवा आरोपी मध्य प्रदेश के सीधी निवासी भागीरथी उर्फ बबली पटेल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के साथ दो बरामद वाहनों एवं सामान के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। चोरी की यह घटना उस परिवार के लिए केवल एक वाहन खोने भर की बात नहीं थी। ग्रामीण क्षेत्र में बाइक रोजमर्रा की जिंदगी का महत्वपूर्ण साधन होती है।पुलिस की कार्रवाई के बाद अब परिवार को राहत मिली है। वहीं घटना का खुलासा क्षेत्र के उन लोगों के लिए भी सुकून देने वाला है, जो वाहन चोरी जैसी घटनाओं को लेकर चिंतित रहते हैं। मड़िहान पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह संदेश देने की कोशिश की है कि घर के बाहर से वाहन गायब कर चोर भले ही कुछ समय के लिए पुलिस की नजर से बच जाएं, लेकिन सुरागों की कड़ियां जुड़ने पर कानून के हाथ उन तक पहुंच सकते हैं। सीओ ऑपरेशन मोहम्मद फहीम, प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र भूषण मौर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में आगे की विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के सुपुर्द कर दिया है।

अमोई के कुएं से पकड़ा गया मगरमच्छ, सिरसी डैम में मिला नया ठिकाना

'रस्सियों के सहारे चला रेस्क्यू, बाहर आते ही ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मड़िहानमीरजापुर। सिरसी रेंज के अमोई गांव में पिछले तीन दिनों से ग्रामीणों के बीच दहशत का कारण बने मगरमच्छ को आखिरकार ग्रामीणों के सहयोग से वन विभाग की टीम ने कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मगरमच्छ के पकड़े जाने के साथ ही गांव के लोगों ने राहत की सांस ली। तीन दिनों से जिस कुएं के आसपास जाने में लोग घबरा रहे थे, गुरुवार को वहीं ग्रामीणों की भारी भीड़ रेस्क्यू अभियान को देखने के लिए जमा रही। मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ने के बाद वन विभाग की टीम उसे सिरसी डैम में छोड़ दिया। बताया जा रहा है कि अमोई गांव स्थित कुएं में मगरमच्छ दिखाई देने के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया था। कुएं के भीतर विशालकाय जीव को देखकर पहले तो लोगों को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। खबर गांव में फैली तो देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी। मगरमच्छ को लेकर कौतूहल के साथ ही किसी अनहोनी की आशंका भी लोगों को परेशान कर रही थी। मगरमच्छ के कुएं में होने के कारण आसपास रहने वाले परिवार खासे भयभीत थे। ग्रामीण बच्चों को कुएं की तरफ जाने से रोक रहे थे। हर किसी की निगाह इस बात पर लगी थी कि आखिर मगरमच्छ को सुरक्षित बाहर कब निकाला जाएगा।लगातार प्रयासों के बाद तीसरे दिन वन विभाग की टीम को सफलता मिली। मगरमच्छ को कुएं से बाहर निकालने के लिए बेहद सावधानी बरती गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी रेस्क्यू में सहयोग किया। रस्सियों के सहारे मगरमच्छ को नियंत्रित कर सुरक्षित बाहर निकालने की कवायद चली। इस दौरान जरा सी चूक भारी पड़ सकती थी, इसलिए लोग सांस थामे पूरे अभियान को देखते रहे।जैसे ही मगरमच्छ कुएं से बाहर निकाला गया, आसपास खड़े लोगों के चेहरों पर राहत साफ दिखाई दी।

टीम ने पंचायत उत्सव भवन निर्माण का किया निरीक्षण

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने बताया कि डीएम पुलकित गर्ग के कार्यालय पत्र के अंतर्गत विकासखण्ड पहाडी की ग्राम पंचायत चकजाफर में पंचायत उत्सव भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता जॉच के लिए खण्ड विकास अधिकारी पहाडी एवं अभियंता जिला पंचायत की टीम गठित की थी। टीम ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता जॉच के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पिलर स्तर का कार्य प्रगति पर पाया गया। निर्माण कार्य स्वीकृत मानकों के अनुसार किया जा रहा है। कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक रही। बरसात होने के कारण पिलर के चारो तरफ जल भराव था। जिसे जल्द निकलवाये जाने के लिए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया है।

शिक्षण संस्थाओं के सौ मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर करें कार्रवाई : एसपी

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम की धारा 6 क एवं धारा 6 बी के प्रावधानों के अनुपालन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं। प्रावधानों के तहत जनपद के समस्त शिक्षण संस्थानों से 100 मीटर की परिधि में तम्बाकू, गुटखा, सिगरेट एवं अन्य धूम्रपान, तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। इस संबंध में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा संबंधित दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का चिन्हांकन कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।एसपी ने बताया कि शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के प्रतिबंधित क्षेत्र में संचालित तम्बाकू उत्पादों की दुकानों को तत्काल हटवाने के साथ ही संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध अधिनियम में निहित प्रावधानों के अनुसार जुर्माना एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दुकानदारों को अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए स्पष्ट रूप से चेतावनी दी जा रही है कि भविष्य में प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का विक्रय न करें। उन्होंने बताया कि जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शिक्षण संस्थानों से सौ मीटर की परिधि में संचालित दुकानों का चिन्हांकन कर लिया गया है।

हाइवे पर खड़ी ट्रेलर में पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, चालक गंभीर रूप से घायल

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित लहंगपुर ओवर ब्रिज पर गुरुवार दोपहर बाद एक खड़ी ट्रेलर में पीछे से आ रही अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में ट्रेलर चालक संजय कुमार पुत्र भाई लाल 28 वर्ष निवासी बहुती गुलालपुर, मिर्जापुर को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल ट्रेलर चालक को एंबुलेंस 1033 से अस्पताल भेजवाया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि मध्य प्रदेश की तरफ से सीमेंट लादकर एक ट्रेलर वाराणसी की ओर जा रहा था कि ओवर ब्रिज पर ट्रेलर का अगला चक्का टायर ब्रष्ट हो गया जिससे ट्रेलर चालक ट्रेलर को रोड पर ही खड़ा कर टायर बदलने के लिए जैक लगा रहा था कि पीछे से आ रहे ट्रक चालक को यह अंदाजा नहीं हुआ की बीच सड़क पर ट्रक खड़ा है। अचानक सामने आई रुकावट से बचने का मौका न मिलने पर ट्रक सीधे पीछे से ट्रेलर में टकरा गया जिससे जैक लगा रहे ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं पीछे से टक्कर मारने वाली ट्रक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

युवा प्रदर्शन पर ध्यान दें, चयनकर्ता खुद आपको ढूंढ लेंगे - सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा क्रिकेटरों से अपने प्रदर्शन पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो चयनकर्ता आपको ढूंढ लेंगे। आईएएनएस से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा, मैं युवाओं से अपील करूंगा कि वे अपनी तुलना किसी और से न करें क्योंकि हर किसी की कहानी अलग होती है और हर किसी का एक अलग चौप्टर होता है। पूर्व भारतीय कप्तान ने बातचीत के दौरान अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया जब वह घरेलू क्रिकेट खेलते थे, ट्रेन से सफर करते थे और अपने मौके का इंतजार करते थे।सूर्यकुमार ने भारतीय क्रिकेट में बहुत ज्यादा दबाव के बारे में भी बताया, जहां युवा खिलाड़ियों को अक्सर लगता है कि उन्हें बहुत कम उम्र में ही सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचना है।उन्होंने कहा, भारत में, ज्यादातर लोग सोचते हैं कि अगर आप 21 या 25 साल की उम्र तक कहीं नहीं पहुंचे, तो आपका करियर खत्म हो गया और आपको कोई दूसरा विकल्प चुनना पड़ सकता है। लेकिन, उम्र कभी भी किसी खिलाड़ी की किस्मत तय नहीं करती। मुझे लगता है कि उम्र कोई आधार नहीं है, अहम आपकी तैयारी है।सूर्यकुमार ने कहा, युवा अपनी स्किल्स को और बेहतर करते रहें और अपनी प्रतगि के प्रति प्रतिबद्ध रहें, खासकर तब जब कोई देख न रहा हो। आपका प्रदर्शन ही चयनकर्ताओं का ध्यान आपकी तरफ खींचता है। बता दें कि सूर्यकुमार यादव को घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार शानदार प्रदर्शन के बावजूद 31 साल की उम्र में भारतीय टीम में मौका मिला था। टी20 फॉर्मेट में लंबे समय तक दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज रहे सूर्या इस फॉर्मेट में लगातार 2 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

एरिका मेरी आदर्श हैं और हमेशा रहेंगी मीरा एंड्रीवा

न्यूयॉर्क)। ग्रैंड स्लैम चौंपियन और ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मीरा एंड्रीवा ने कहा कि उनकी बड़ी बहन एरिका हमेशा से उनकी रोल मॉडल रही हैं। यूएस ओपन मीडिया डे के दौरान 19 साल की मीरा ने बताया कि कैसे एरिका के साथ बड़े होने से एक टेनिस प्लेयर के तौर पर उनके विकास और कोर्ट से दूर उनकी जिंदगी दोनों पर असर पड़ा। डब्ल्यूटीए के हवाले से मीरा ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि मैं छोटी हूं। टेनिस के मामले में, मुझे उतने टूर्नामेंट नहीं खेलने पड़े जितने उन्होंने खेले, और शायद इससे मेरा कुछ समय बच गया। वह हमेशा स्कूल में मेरी मदद करती थीं। वह मुझे बहुत सारी सलाह भी देती थीं। मैं हमेशा उनकी कॉपी करती थी, क्योंकि वह मेरी रोल मॉडल थीं और अब भी हैं।

प्रोफेशनल टेनिस में एक जैसे रास्ते पर चलने के बावजूद, बहनों ने कॉम्पिटिशन को अपने रिश्ते को तय करने से रोका है।

एंड्रीवा ने कहा, हम कभी भी एक–दूसरे के साथ सच में प्रतियोगी नहीं थीं। हमारे माता–पिता हमेशा हमसे कहते थे कि हम बहनें हैं, इसलिए हम जिंदगी में सबसे करीबी लोग हैं, और हमें हमेशा एक–दूसरे को सपोर्ट करना चाहिए। हम साथ में ज्यादा अभ्यास नहीं करते थे, क्योंकि इससे गड़बड़ हो जाती थी। एक–दूसरे और हमारे रिश्ते के बीच नहीं, लेकिन बसकृमुझे नहीं पता। मुझे गुस्सा आता, उसे दुख होता कि मैं गुस्सा हूं, फिर मुझे दुख होता कि वह दुखी है।

एंड्रीवा अपनी पीढ़ी के जाने–माने नामों में से एक बनकर उभरी हैं, वहीं एरिका ने भी अपना एक सफल करियर बनाया है। बड़ी एंड्रीवा अक्टूबर 2024 में वर्ल्ड नंबर 65 की करियर–हाई रैंकिंग पर पहुंचीं और पांच आईटीएफ एकल खिताब जीते हैं। उनका सबसे हालिया खिताब मई में जाग्रेब में डबल्यू 75 टूर्नामेंट में आया था। विंबलडन 2025 के बाद लंबे ब्रेक के बाद एरिका ने रैंकिंग में भी काफी तरक्की की है। टॉप 200 में वापसी के करीब पहुंचते हुए वह लगभग 150 स्थान ऊपर चढ़ी हैं।

पेशेवर सर्किट में खुद को स्थापित करने से पहले, एरिका ने खेल के टॉप जूनियर्स में शामिल होने के साथ आने वाले दबाव का अनुभव किया।

वह 2021 में फ्रेंच ओपन में लड़कियों के फाइनल में पहुंचीं, जहां वह लिंडा नोस्कोवा से हार गईं।एरिका का यूएस ओपन का सफर शुरुआती राउंड में ही खत्म हो गया।

बाजार की पाठशाला इन लोगों के लिए 31 अगस्त है आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन, जानिए किसके लिए कौन-सा फार्म होगा सही

नई दिल्ली ,। अगर आप नौकरी के साथ कारोबार, पेशे या स्वतंत्र रूप से काम करके कमाई करते हैं, तो आपके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख नजदीक आ गई है। बिना कर ऑडिट वाली कारोबारी या पेशेवर आय रखने वाले करदाताओं को 31 अगस्त 2026 तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना होगा। वहीं, जिन कारोबारियों और पेशेवरों के खातों का कर ऑडिट जरूरी है, उनके लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2026 है। ऐसे करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनकी आय और वित्तीय स्थिति के आधार पर कौन–सा रिटर्न फॉर्म लागू होगा।

आयकर विभाग के अनुसार, 31 जुलाई की अंतिम तारीख तक 6.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके थे, जिनमें वेतनभोगी लोगों, पेंशनभोगियों, छात्रों की आय वाले करदाताओं और अलग–अलग स्रोतों से आय प्राप्त करने वाले लोगों के रिटर्न शामिल हैं। इनमें कारोबार (बिजनेस) और पेशे (प्रोफेशन) से आय वाले बड़ी संख्या में करदाता भी शामिल रहे। अब बिना कर ऑडिट वाले कारोबार या पेशे से आय रखने वाले बाकी करदाताओं के लिए 31 अगस्त की तारीख महत्वपूर्ण है। बिजनेस या प्रोफेशन से आय होने पर आम तौर पर आईटीआर–3 या आईटीआर–4 में से किसी एक फॉर्म का इस्तेमाल किया जाता है। सही फॉर्म का चुनाव करदाता की आय, कारोबार की प्रकृति और कर व्यवस्था पर निर्भर करता है। गलत फॉर्म में रिटर्न दाखिल करने से बाद में कर विभाग की ओर से परेशानी या स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है।आईटीआर–3 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) के लिए होता है, जिनकी आय बिजनेस या प्रोफेशन से होती है और जो प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन यानी अनुमानित कर व्यवस्था का विकल्प नहीं चुनते हैं।

अगर टैक्सपेयर नियमित रूप से अकाउंट बुक्स मेंटेन करता है, उसकी कुल आय 50 लाख रुपये से अधिक है या वह फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस यानी एफएंडओ ट्रेडिंग करता है, तो कई मामलों में आईटीआर–3 लागू हो सकता है।

आईटीआर–3 के जरिए वे टैक्सपेयर्स वेतन या पेंशन, हाउस प्रॉपर्टी, बिजनेस या प्रोफेशन, कैपिटल गेन्स और अन्य स्रोतों से होने वाली आय की जानकारी दे सकते हैं। आम तौर पर यह फॉर्म उन व्यक्तियों या एचयूएफ के लिए इस्तेमाल होता है, जो आईटीआर–1, आईटीआर–2 या आईटीआर–4 के तहत रिटर्न दाखिल करने के योग्य नहीं हैं।

वहीं, आईटीआर–4 यानी सुगम उन व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म के लिए है, जो प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन स्कीम के तहत बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम घोषित करते हैं और जिनकी कुल आय निर्धारित सीमा के भीतर है। सामान्य तौर पर इसमें 50 लाख रुपये तक की कुल आय वाले पात्र टैक्सपेयर्स शामिल हो सकते हैं।इसमें बिजनेस या प्रोफेशन से होने वाली आय के अलावा वेतन या पेंशन, अधिकतम दो हाउस प्रॉपर्टी से आय और ब्याज, फैमिली पेंशन तथा डिविडेंड जैसी अन्य स्रोतों से आय भी शामिल की जा सकती है। निर्धारित शर्तों के तहत कृषि आय 5,000 रूपये तक और सेक्शन 112ए के तहत आने वाले कुछ लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स भी इसमें रिपोर्ट किए जा सकते हैं।हालांकि, हर टैक्सपेयर आईटीआर–4 का इस्तेमाल नहीं कर सकता। अगर सेक्शन 112ए के तहत शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स या निर्धारित सीमा से अधिक लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स है, अनलिस्टेड इक्विटी शेयर हैं, विदेशी संपत्ति या विदेश से आय है, घाटे को आगे कैरी फॉरवर्ड करना है, या ऐसी आय है जिस पर विशेष दर से टैक्स लगता है, तो आईटीआर–4 का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कंपनी के डायरेक्टर भी इस फॉर्म के जरिए रिटर्न दाखिल नहीं कर सकते।विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले करदाताओं को फॉर्म 26एएस, वार्षिक सूचना विवरण यानी एआईएस, करदाता सूचना सारांश यानी टीआईएस, फॉर्म 16 और फॉर्म 16ए की जानकारी जांच लेनी चाहिए।

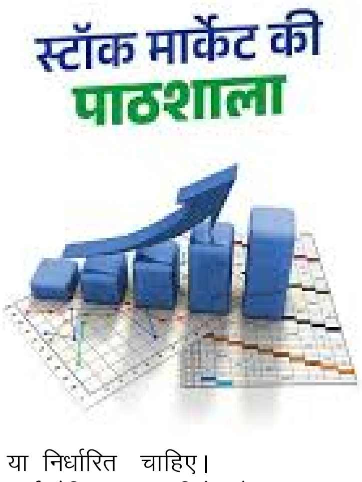

साथ ही बैंक खाते और कर भुगतान से जुड़े चालान भी तैयार रखने चाहिए। कारोबारियों को बिक्री–खरीद का रिकॉर्ड, लाभ–हानि खाता, बैलेंस शीट, बिल और चालान, जीएसटी रिटर्न तथा भुगतान माध्यमों से मिले डिटेल्स का भी मिलान करना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर करदाता ने शेयर बाजार में निवेश या ट्रेडिंग की है, तो ब्रोकरेज स्टेटमेंट, कॉन्ट्रैक्ट नोट, डीमैट स्टेटमेंट और कैपिटल गेन्स से जुड़ी पूरी जानकारी तैयार रखनी चाहिए। इनका मिलान एआईएस और बैंक रिकॉर्ड से करना जरूरी है। इसी तरह, किराये से आय पाने वाले प्रॉपर्टी मालिकों को रेंट एग्रीमेंट, नगर निगम टैक्स की रसीद, प्रॉपर्टी के मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज और होम लोन के ब्याज का सर्टिफिकेट संभालकर रखना चाहिए।

ज्यादा चीनी, नमक या फैट वाले खाने-पीने के सामान के पैकेट पर लाल रंग की चेतावनी देंय एफएसएसएआई का प्रस्ताव

नई दिल्ली ,। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने प्रोसेस किए गए खाने–पीने की उन चीजों के पैकेट के सामने लाल रंग का वॉर्निंग लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है, जिनमें चीनी, नमक या फैट की मात्रा ज्यादा होती है। यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि ग्राहक सोच–समझकर सही चुनाव कर सकें।रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि चेतावनी लेबल पर साफ–साफ लिखा होगा– जैसे ज्यादा वसा वाला, ज्यादा चीनी वाला, ज्यादा नमक वाला या बहुत ज्यादा मीठा पेय... ताकि लोग आसानी से समझ सकें कि किस प्रोडक्ट में कौन सी चीज ज्यादा मात्रा में है।सुप्रीम कोर्ट में यह दलील इसलिए दी गई क्योंकि वह पश्चिमी देशों की तर्ज पर चेतावनी लेबल लगाने की मांग करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में एक सुनवाई में एफएसएसएआई से कहा था कि वह इन लेबलों को लागू करने में तेजी लाए। नेस्ले, पेप्सिको और कोका–कोला जैसी बड़ी खाद्य कंपनियां इस कदम का विरोध कर रही हैं क्योंकि इससे बिक्री प्रभावित होने की आशंका है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान अनिवार्य पैकेज्ड फूड अलर्ट लेबल को लागू करने में लंबी देरी पर एफएसएसएआई की खिंचाई की थी। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों, विशेषकर छोटे बच्चों को मोटापे जैसी बीमारियों के खतरे से बचाने के लिए पारदर्शी पोषण संबंधी खुलासे महत्वपूर्ण हैं।न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने वैधानिक नियामक की धीमी गति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया।

हाकी विश्व कप भारतीय पुरुष टीम का सफर हार के साथ समाप्त, टूर्नामेंट में 8वें स्थान पर रही

वावरे ,। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का सफर एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में बेहद निराशाजनक तरीके से समाप्त हुआ। खिताब की दौर से पहले ही बाहर हो चुकी भारतीय टीम शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम से हारकर टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रही। भारतीय टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 4–3 से हारकर आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा। भारत के आखिरी मिनट में किए गए गोल के बाद रेगुलेशन पीरियड 3–3 से बराबरी पर खत्म हुआ, जिससे विजेता का फैसला शूटआउट से हुआ। मैच की शुरुआत में, बेल्जियम ने आक्रामक फुल–प्रेस के साथ शुरुआत की और शुरुआती मिनट में ही भारतीय सर्कल में घुस गया, लेकिन भारत ने शुरुआती खतरे का आराम से सामना किया।भारत ने धीरे–धीरे अपनी पकड़ बनाई और छठे मिनट में बढ़त बना ली। मनप्रीत सिंह ने अभिषेक को एक टाइट एंगल पर पास देकर मौका बनाया। फॉरवर्ड ने एक जोरदार धक्का दिया जिसे वनाश अपने ही गोल में डाल सके। बेल्जियम ने तुरंत पेनल्टी कॉर्नर जीतकर जवाब दिया, लेकिन सूरज करकेरा हेंड्रिक्स के फ्लिक के सामने डटे रहे।बेल्जियम का दबाव बढ़ गया, जुगराज सिंह ने इंडियन पोस्ट के पास सही समय पर दखल दिया और नेल्सन ओनाना डाइविंग डिफ्लेक्शन से बाल–बाल बच गए। फिर इंडिया की टीम 10 खिलाड़ियों की रह गई जब हरमनप्रीत को येलो कार्ड मिला क्योंकि इंडिया को पिच पर एक अतिरिक्त खिलाड़ी मिला था।बेल्जियम ने नंबरों की बढ़त का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया। जुगराज की स्टिक से बॉल निकलने के बाद एक वीडियो रेफरल से पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन करकेरा ने हेंड्रिक्स का एक और शानदार बचाव किया। इसके बाद भारतीय गोलकीपर ने रीटेक किए गए सेट–पीस से बेल्जियम के ड्रैग–फ्लिकर को फिर से रोक दिया।हरमनप्रीत दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में सस्पेंशन चेयर से लौटे, और भारत ने जल्द ही एक सफल वीडियो रेफरल के बाद अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हरमनप्रीत का फ्लिक रशर के पैर पर लगा, और उसके बाद के रीटेक को बेल्जियम के डिफेंस ने रोक दिया।इसके बाद बेल्जियम ने मैच का पासा पलट दिया। 22वें मिनट में, डुवेकोट ने गोल के सामने क्रॉस मिलने के बाद जगह बनाई, हार्दिक सिंह और संजय को गलत जगह पर रखा, और गोलकीपर मोहित को हराकर स्कोर 1–1 कर दिया। मुश्किल से एक मिनट बाद, बेल्जियम को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और लैबोचेरे ने इसे गोल में बदलकर मेजबान टीम को 2–1 की बढ़त दिला दी।बेल्जियम ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा, बार–बार भारतीय गोल पर खतरा पैदा किया। एक और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंड किया गया, जबकि मोहित को अपने किकर से बचाने के लिए कहा गया। भारत ने और दबाव झेला, लेकिन हाफ–टाइम तक बेल्जियम का कंट्रोल मजबूत रहा और वह 2–1 से आगे था।इंटरवल के तुरंत बाद भारत ने जवाब दिया। राजिंदर सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर बनाने में मदद की और हरमनप्रीत ने ड्रैग–फ्लिक मारकर वानाश को छकाकर स्कोर 2–2 कर दिया। बेल्जियम ने गोल को चौलेंज किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में कोई उल्लंघन नहीं पाया गया और भारत का बराबरी का गोल बना रहा। मोमेंटम वापस बेल्जियम की तरफ मुड़ गया। हेंड्रिक्स पेनल्टी कॉर्नर से अपनी बढ़त वापस लाने की कोशिश करते दिखे, लेकिन भारत ने कामयाबी से फैसला रेफर कर दिया और गोल ऊंचाई के कारण रद्द कर दिया गया।तीसरा क्वार्टर बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन आखिरी पीरियड की शुरुआत में बेल्जियम ने फिर से बढ़त बना ली। मनप्रीत के चेहरे पर लैबोचेरे की एक करीबी कोशिश लगी और उन्हें खून से लथपथ चोट के साथ मैदान छोड़ना पड़ा। इसके तुरंत बाद, बेल्जियम ने अटैकिंग सिचुएशन का फायदा उठाकर गोल कर दिया। बॉल ऊपर उठी, एक इंडियन डिफेंडर से टकराई और डी केर्पेल के पास गिरी, जिसका हिट टर्फ से टकराकर मोहित की पहुंच से बाहर नेट में चला गया। ऐसा लगा कि बेल्जियम ने जीत पक्की करने के लिए काफी कुछ कर लिया है, जबकि इंडिया को भरे हुए डिफेंस को भेदने में मुश्किल हो रही थी। फिर 57वें मिनट में अभिषेक के रिवर्स हिट पर वानाश ने एक जरूरी बचाव किया। जब तीन मिनट से भी कम समय बचा था, तो इंडिया ने करकेरा को हटाकर एक अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी को उतारा।

विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 पूजा वस्त्रकार, किरण नवगीरे, शिखा पाडे और यास्तिका भाटिया खेलेंगी

ब्रिजटाउन । पूजा वस्त्रकार, किरण नवगीरे, शिखा पांडे और यास्तिका भाटिया विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग के आने वाले सीजन के लिए विदेशी खिलाड़ियों में शामिल हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। शिखा को छोड़कर, पूजा, किरण और यास्तिका 5–17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में पहली बार खेलेंगी। लीग के सभी मैच केंसिंग्टन ओवल में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार, ग्रुप स्टेज में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेऑफ मुकाबले में पहुंचेंगी, जिससे दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला होगा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पूजा और विस्फोटक बल्लेबाज किरण डिफेंडिंग चौंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स के लिए खेलेंगी। यह भारतीय जोड़ी न्यूजीलैंड की पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सूजी बेट्स और उनकी साथी व्हाइट फर्न मैडलिन ग्रीन के साथ टीम के विदेशी दल का हिस्सा बनेगी।

अनुभवी पेसर शिखा, जो पिछले दो सीपीएल सीजन का हिस्सा रही हैं, त्रिनबागो नाइट राइडर्स में विकेटकीपर–बल्लेबाज यास्तिका के साथ शामिल होंगी। यह जोड़ी साउथ अफ्रीका की स्टार ऑल–राउंडर मारिजेन कैप के साथ–साथ ऑस्ट्रेलिया की लॉरा हैरिस और लेग–स्पिनर मैडलिन पेना की जोड़ी के साथ खेलेगी।पूजा ने इस साल की शुरुआत में विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के जरिए कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी की। कंधे की सर्जरी और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वह 2024 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के बाद एक्शन से बाहर रहीं। वह इस साल की मध्य प्रदेश विमेंस टी20 लीग में शामिल थीं, जहां उन्होंने चंबल घड़ियाल विमेंस को खिताब जिताया। उन्हें पिछला विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव ऑस्ट्रेलिया में 2022҆23 विमेंस बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलने से मिला था। किरण, जो विमेंस प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्ज के लिए खेलती हैं, कैरिबियन में कॉम्पिटिशन के जरिए अपना पहला विदेशी टी20 लीग खेलेंगी।यास्तिका का पिछला विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट 2024҆25 विमेंस बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए था। यास्तिका, जो जुलाई में लॉर्ड्स में महिला टेस्ट सेंचुरी लगाने वाली पहली बल्लेबाज हैं, विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग खत्म होने के ठीक तीन दिन बाद ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 50–ओवर और रेड–बॉल गेम्स में इंडिया ए को लीड करने वाली हैं।ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग डेब्यू फ्रेंचाइजी जमैका एम्प्रेस के लिए खेलेंगी। नई फ्रेंचाइजी में उनके साथ आयरलैंड की ओपनर एमी हंटर, साउथ अफ्रीका की लेफ्ट–आर्म स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा, न्यूजीलैंड की राइट–आर्म सीमर रोजमेरी मायर और पाकिस्तान की लेग–स्पिनर सैयदा अरूब शाह हैं। यह पहली बार है जब रोजमेरी और सैयदा दोनों विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलेंगे।दूसरी तरफ, गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने अपने पहले विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने के लिए एक मजबूत टीम बनाई है, जिसमें साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल, ऑल–राउंडर क्लो ट्रायोन और नादिन डी क्लर्क, टॉप–ऑर्डर बैट्समैन तेंजमिन ब्रिट्स और ऑस्ट्रेलिया की एरिन बर्न्स को साइन किया है। तेंजमिन को छोड़कर, वॉरियर्स के लिए साइन किए गए सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को पहले विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग का अनुभव है।2026 विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग विदेशी खिलाड़ी बारबाडोस ट्राइडेंट्सरू मैडलिन ग्रीन (न्यूजीलैंड), सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड), पूजा वस्त्रकार (इंडिया) और किरण नवगिरे (इंडिया)।

गुयाना अमेजन वॉरियसरू ʽशबनीम इस्माइल (साउथ अफ्रीका), एरिन बर्न्स (ऑस्ट्रेलिया), क्लो ट्रायोन (साउथ अफ्रीका), तेंजमिन ब्रिट्स (साउथ अफ्रीका) और नादिन डी क्लर्क (साउथ अफ्रीका)।जमैका एम्प्रेसरू मेग लैनिंग (ऑस्ट्रेलिया), एमी हंटर (आयरलैंड), नॉनकुलुलेको म्लाबा (साउथ अफ्रीका), सैयदा अरूब शाह (पाकिस्तान) और रोजमेरी मायर (न्यूजीलैंड)। त्रिनबागो नाइट राइडसरू ʽमारिजेन कैप (साउथ अफ्रीका), शिखा पांडे (इंडिया), लॉरा हैरिस (ऑस्ट्रेलिया), मैडलिन पेना (ऑस्ट्रेलिया) और यास्तिका भाटिया (इंडिया)।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी, नई दरें आज से लागू

नई दिल्ली । दिल्ली–एनसीआर में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। संशोधित दरें शनिवार सुबह 6 बजे से प्रभावी हो गई हैं। यह वृद्धि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रमुख शहरी गैस वितरक इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा घोषित की गई है।हालिया बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में सीएनजी की कीमत 83.09 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। संशोधित दरें नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम सहित कई पड़ोसी शहरों में भी लागू होंगी।नोएडा और गाजियाबाद में अब सीएनजी की कीमत 95.59 रुपये प्रति किलोग्राम होगी, जबकि गुरुग्राम में नई कीमत 92.01 रुपये प्रति किलोग्राम तय की गई है।

इस नवीनतम वृद्धि से सीएनजी पर अत्यधिक निर्भर वाहन चालकों और वाणिज्यिक वाहन संचालकों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है। ऑटो–रिक्शा, टैक्सी, ऐप–आधारित कैब सेवाएं और अन्य वाणिज्यिक परिवहन संचालकों को इस संशोधन के बाद ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। सीएनजी का उपयोग करने वाले निजी कार मालिकों को भी ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ेगा।

हाल के महीनों में सीएनजी की कीमतों में लगातार वृद्धि के बाद यह ताजा बढ़ोतरी हुई है। मई 2026 में, आईजीएल ने दिल्ली में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की एक और वृद्धि की घोषणा की थी। यह संशोधन 26 मई से लागू होने वाली 1 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि के कुछ ही दिनों बाद किया गया था, क्योंकि सीएनजी की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं।

सार्वजनिक क्षेत्र की गैस वितरण कंपनी आईजीएल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतें ष्काफी अधिकष् बनी हुई हैं और बढ़ती लागत का असर तेजी से महसूस किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि आवश्यक थी ताकि इनपुट गैस की लागत में वृद्धि की आंशिक रूप से भरपाई की जा सके और उपभोक्ताओं को सीएनजी की निरंतर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।बार–बार हो रही मूल्य वृद्धि ने परिवहन संचालकों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 30 अगस्त 2026
sheelshukla100@gmail.com

प्रतीक गांधी की फिल्म घमासान का ट्रेलर रिलीज, खूंखार डाकू बनकर आए अरशद वारसी

बॉलीवुड निर्देशक तिग्मांशु धूलिया ने अपनी फिल्म घमासान का ट्रेलर जारी कर दिया है। प्रतीक गांधी की मुख्य भूमिका वाली यह एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें अरशद वारसी भी अहम किरदार में हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियो और गोल्डन रेशियो फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। राजपाल यादव और इशिता दत्ता भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। फिल्म की कहानी अपराध, राजनीति, जातिगत समीकरण, डर और सत्ता जैसे तत्वों का मिश्रण पेश करती है। इसका प्रीमियर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगा।घमासान की कहानी मध्य भारत के बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ईमानदार द्ढक्कस् अधिकारी (प्रतीक) के इर्द–गिर्द बुनी गई है, जिस पर खूंखार डाकू सरगना (अरशद) को पकड़ने की जिम्मेदारी है।ट्रेलर में जहां प्रतीक अपने अभिनय से लुभाते हैं, तो वहीं अरशद खलनायक के किरदार में डराते हैं।निर्माताओं ने इसे जारी करते हुए कैप्शन दिया, खौफ का कानून या कानून का खौफ? फिल्म का प्रीमियर 11 सितंबर, 2026 को जी5 पर हिंदी भाषा में किया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ी टाक्सिक, पहले दिन के मुकाबले आधी भी नहीं हुई कमाई

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने ओपनिंग डे पर 100 करोड़ से ज्यादा कारोबार करते हुए कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया। हालांकि, अगले ही दिन इसके कलेक्शन में भारी गिरावट आई है। आलम यह रहा है कि पहले दिन हुई कमाई के मुकाबले दूसरे दिन का आंकड़ा आधा भी नहीं रहा। दूसरी ओर, इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 भी बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई है। सैकनिल्क के मुताबिक, टॉक्सिक ने रिलीज के दूसरे दिन (गुरुवार) 37.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसने पहले दिन 101.10 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसके बाद कुल नेट कलेक्शन 138.75 करोड़ रुपये हुआ है।

रवि तेजा की इरुमुडी ने पहले सप्ताह में वर्ल्डवाइड 130 करोड़ की कमाई की

अभिनेता रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी व्यावसायिक सफलता की ओर बढ़ती नजर आ रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह में दुनियाभर में करीब 130 करोड़ रुपये का सकल कारोबार कर लिया है। फिल्म को पारिवारिक दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया, रवि तेजा के दमदार अभिनय और भावनात्मक एवं भक्ति–भाव से जुड़ी कहानी का फायदा मिल रहा है।

फिल्म का निर्देशन शिवा निर्वाण ने किया है। सिनेमाघरों में शुरुआत के बाद भी फिल्म की कमाई मजबूत बनी हुई है। दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के कारण फिल्म को पहले सप्ताह में अच्छी पकड़ बनाए रखने में सफलता मिली है।

रिपोर्ट किए गए करीब 130 करोड़ रुपये के दुनियाभर के सकल कारोबार में सबसे बड़ा योगदान तेलुगु भाषी राज्यों का रहा है। अनुमान के मुताबिक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से फिल्म ने करीब 86 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है।

इसके अलावा देश के अन्य हिस्सों से करीब 20 करोड़ रुपये और विदेशी बाजारों से लगभग 24 करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है। इन आंकड़ों को मिलाकर फिल्म का कुल वैश्विक सकल कारोबार करीब 130 करोड़ रुपये बैठता है।आंकड़ों से स्पष्ट है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना फिल्म के सबसे मजबूत बाजार बने हुए हैं। वहीं, अन्य भारतीय शहरों और विदेशी बाजारों से भी फिल्म को लगातार दर्शक मिल रहे हैं।श्इरुमुडीय के लिए सबसे अहम बात यह है कि फिल्म ने शुरुआती प्रदर्शन के बाद भी सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाए रखी है। व्यापारिक रिपोर्टों के अनुसार, घरेलू कारोबार में तेलुगु संस्करण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जबकि विदेशी बाजारों में भी फिल्म ने लगातार कमाई की है।पहले सप्ताह में 130 करोड़ रुपये के आसपास पहुंचा वैश्विक कारोबार इस बात का संकेत है कि फिल्म की पहुंच बड़े दर्शक वर्ग तक हुई है। खास तौर पर पारिवारिक दर्शकों और भक्ति–भाव वाली कहानी को मिली प्रतिक्रिया फिल्म के पक्ष में जाती दिख रही है।श्इरुमुडीय की सफलता अभिनेता रवि तेजा के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। लंबे समय बाद उनकी किसी फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन इस स्तर पर पहुंचा है, जिससे उनकी व्यावसायिक स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद है।फिल्म की सफलता से रवि तेजा के आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी दर्शकों की उम्मीदें बढ़ सकती हैं। फिल्म की कमाई और दर्शकों की प्रतिक्रिया उनके करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।अब फिल्म के दूसरे सप्ताह के प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी हैं। सिनेमाघरों में दर्शकों की मौजूदगी, सप्ताहांत की मांग और दर्शकों की प्रतिक्रिया आने वाले दिनों में फिल्म के अंतिम कारोबार को प्रभावित करेगी।ताजा व्यापारिक रिपोर्टों के अनुसार, अगर फिल्म की मौजूदा रफ्तार बनी रहती है तो इस सप्ताहांत तक श्इरुमुडीय का दुनियाभर का कुल सकल कारोबार 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है।

सामंथा रुथ प्रभु की 100 करोड़ी फिल्म मां इंटी बंगारम सोनी लिव पर हिंदी में हुई रिलीज

सामंथा रुथ प्रभु की एक्शन ड्रामा फिल्म मां इंटी बंगारम ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करके ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। यही नहीं, इसने तेलुगु सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला–प्रधान फिल्मों की सूची में कब्जा जमाया और अब हिंदी भाषा के साथ आ चुकी है। हिंदी पट्टी के दर्शक, जो इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वो इसे ओटीटी पर घर बैठे देख सकते हैं।मूल रूप से तेलुगु भाषा वाली मां इंटी बंगारम का हिंदी संस्करण सोनी लिव पर स्ट्रीम हुआ है।प्लेटफॉर्म ने पोस्ट के साथ रिलीज का ऐलान करते हुए लिखा, एक परिवार.. एक राज.. और एक बंगाराम बहू, जो सब बदल देगी। एक्शन क्वीन सामंथा की मां इंटी बंगारम (हिंदी) अब सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है। बी वी नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर में गुलशन देवैया और दिगंत मंचले भी अहम किरदारों में मौजूद हैं।

शाहिद कपूर की फिल्म काकटेल 2 ने ओटीटी पर दी दस्तक, नेटफ्लिक्स पर हुई स्ट्रीम

शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना जैसे सितारों से सजी फिल्म श्कॉकटेल 2य अब सिनेमाघरों के बाद दर्शकों के लिए डिजिटल मंच पर उपलब्ध हो गई है। होमी अदाजानिया के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक–ड्रामा फिल्म 14 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित की जा रही है। फिल्म के डिजिटल प्रसारण का इंतजार कर रहे दर्शक अब इसे घर बैठे देख सकेंगे।श्कॉकटेल 2य वर्ष 2012 में आई इसी नाम की चर्चित फिल्म का अगला भाग है। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। प्रेम, रिश्तों और भावनाओं पर आधारित इस कहानी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी।श्कॉकटेल 2य ने 19 जून को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ने घरेलू और विदेशी बाजार को मिलाकर दुनियाभर में लगभग 143. 59 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद अब फिल्म को डिजिटल मंच पर दर्शकों के लिए उपलब्ध करा दिया गया है।फिल्म के डिजिटल प्रसारण की घोषणा नेटफ्लिक्स ने अपने आधिकारिक माध्यम से की। दर्शकों को आकर्षित करने के लिए मंच ने लिखा, ष्दो लोगों का जोड़ा बनता है और तीन लोगों का कॉकटेल!ष साथ ही दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए बताया गया कि श्कॉकटेल 2य 14 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी।जिन दर्शकों ने श्कॉकटेल 2य को सिनेमाघरों में नहीं देखा है, उनके लिए अब इसे घर पर देखने का मौका है। नेटफ्लिक्स की सदस्यता लेने वाले दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार फिल्म का आनंद उठा सकते हैं। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना की मौजूदगी इसे दर्शकों के लिए खास बनाती है।रोमांटिक कहानी, प्रेम के उलझे रिश्तों और तीन प्रमुख किरदारों के बीच बनने वाले भावनात्मक समीकरणों पर आधारित श्कॉकटेल 2य से दर्शकों को एक बार फिर मनोरंजन और रोमांस का अनुभव मिलने की उम्मीद है।

स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे की रफ्तार तीसरे हफ्ते में पड़ने लगी सुस्त, जना नायकन की कमाई को भी लगा झटका, धमाल 4 अब भी सिनेमाघरों में कायम

टॉम हॉलैंड की फिल्म स्पाइडर–मैन ब्रांड न्यू डे भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत पकड़ बनाए हुए है। फिल्म के सामने श्ओह माय डॉग्य और श्आर्यभट्ट का जीरोय समेत कई हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन कमाई के मामले में वे ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकीं। हालांकि, तीसरे सप्ताह में प्रवेश करने के बाद श्स्पाइडर–मैनरू ब्रांड न्यू डेय की कमाई की रफ्तार भी ध्ीमी पड़ने लगी है। रोजाना के कारोबार में गिरावट दर्ज की जा रही है।

सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, स्पाइडर–मैन ब्रांड न्यू डेय ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे सप्ताह के पहले दिन भारत में 5.40 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे एक दिन पहले 14वें दिन फिल्म ने 6.45 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं 13वें दिन इसका कारोबार 8.50 करोड़ रुपये और 12वें दिन 7.60 करोड़ रुपये रहा था।15वें दिन की कमाई के साथ फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 443.40 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए कमाई में कुछ गिरावट जरूर आई है, लेकिन सप्ताहांत में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि फिल्म जल्द ही 500 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो सकती है।

थलपति विजय की फिल्म श्जना नायकन्य ने सिनेमाघरों में तीन सप्ताह पूरे कर लिए हैं और अब यह चौथे सप्ताह में पहुंच गई है। चौथे सप्ताह की शुरुआत के साथ फिल्म के कारोबार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे गुरुवार को श्जना नायकन ने भारत में करीब 67 लाख रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसके साथ ही

22 दिनों में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 195.02 करोड़ रुपये हो गई है।

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीने से अधिक समय हो चुका है, लेकिन फिल्म अब भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब है। हालांकि, अब इसकी दैनिक कमाई लाखों रुपये तक सिमट गई है।सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 35वें दिन ‘ध्माल 4’ ने 1,670 प्रदर्शनों से करीब 30 लाख रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसके साथ भारत में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 167.35 करोड़ रुपये और कुल सकल कमाई 198.72 करोड़ रुपये हो गई है।

विदेशी बाजार में श्धमाल 4य ने अब तक 30.85 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। इस तरह फिल्म की दुनियाभर में कुल सकल कमाई 229.57 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

श्स्पाइडर–मैनरू ब्रांड न्यू डेय ने रिलीज के बाद से भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अब फिल्म के सामने असली चुनौती शुरू होने वाली है। सनी देओल की श्बटवारा 1947य और इमरान हाशमी की आवारापन 2य 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी हैं।दोनों फिल्मों के बीच जहां आपसी मुकाबला देखने को मिलेगा, वहीं इनकी रिलीज का असर श्स्पाइडर–मैनरू ब्रांड न्यू डेय के कारोबार पर भी पड़ सकता है। नई फिल्मों के सिनेमाघरों में उतरने से दर्शकों के पास मनोरंजन के विकल्प बढ़ गए हैं।अब देखना दिलचस्प होगा कि तीसरे सप्ताह में धीमी पड़ती स्पाइडर–मैन ब्रांड न्यू डेय की रफ्तार सप्ताहांत में फिर तेज होती है या नई फिल्मों की चुनौती के कारण इसकी कमाई पर और असर पड़ता है। फिल्म की नजर फिलहाल 500 करोड़ रुपये के आंकड़े पर टिकी हुई है।

सनी देओल का दर्शकों को दोहरा तोहफा, बंटवारा 1947 के साथ दिखाया गबरू का टीजर

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंटवारा 1947 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जिन लोगों ने फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख किया, उन्हें अभिनेता की ओर से 2 तोहफे नसीब हुए हैं। दरअसल, बंटवारा 1947 की रिलीज से पहले, सनी की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म गबरू का टीजर दिखाया गया। टीजर देखने के बाद यह दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, और लोग फिल्म को लेकर उत्साहित हो गए हैं।दरअसल, सनी देओल श्गबरूय नाम की एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं. श्बंटवारा 1947य के साथ इसका टीजर अटैच किया गया. कई सिनेमाघरों में ऑडियंस को श्गबरूय की झलक देखने को मिली. जहां अपनी लेटेस्ट फिल्म में सनी पाजी एक्शन अवतार

शाजान पद्मसी ने अपने पहले सिंगल रातां कालियां से बतौर सिंगर किया डेब्यू

एक्टर के तौर पर लोगों का दिल जीतने के बाद, शाजान पद्मसी अब अपने पहले सिंगल के साथ एक नई म्यूजिकल जर्नी की शुरुआत कर रही हैं। शाजान पद्मसी अब अपनी आर्टिस्ट्री का एक बिल्कुल नया पहलू एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं। अपने पहले सिंगल रातां कालियां के साथ वह बतौर सिंगर डेब्यू कर रही हैं। स्क्रीन पर अपनी पहचान बनाने के बाद, शजान अब माइक्रोफोन

के पीछे अपनी आवाज का जादू बिखेरने जा रही हैं और यह उनकी क्रिएटिव जर्नी का एक नया चौप्टर है।म्यूजिक हमेशा से ही शाजान की जिंदगी का अहम हिस्सा रहा है। बहुत कम उम्र में बोर्डिंग स्कूल जाने के कारण उन्होंने परिवार से जुड़े रहने के लिए लेटर्स लिखना शुरू किया। इसी दौरान उन्होंने कम उम्र में ही अपने इमोशन्स को एक्सप्रेस करना सीखा। इकलौती संतान होने की वजह से म्यूजिक भी उनके लिए एक तरह की थेरेपी बन गया।दो मशहूर हस्तियों की बेटी होने के कारण शाजान का बचपन बेहद क्रिएटिव माहौल में बीता। उनकी मां भारत की पहली पॉप स्टार्स में से एक रही हैं। घर में अक्सर प्लेज और म्यूजिकल्स की रिहर्सल्स होती रहती थीं और एक्टर्स व सिंगर्स का आना–जाना लगा रहता था। टीनएज में शाजान की दिलचस्पी हाउस म्यूजिक में बढ़ी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।